सुविचार

प्रार्थना ऐसे करो जैसे सब कुछ भगवान पर निर्भर करता है और प्रयास ऐसे करो जैसे सब कुछ आप पर निर्भर करता है।

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक:- नागेश नरवरिया

पेज -7

वर्ष 6, अंक-76 | भोपाल, शुक्रवार 19 नवंबर 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

टंट्या मामा की शहादत से देश भक्ति और गरीबों की सेवा की प्रेरणा मिलेगी: मुख्यमंत्री

4 दिसम्बर बलिदान दिवस पर होगा कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि शहीद टंट्या मामा के 4 दिसम्बर - बलिदान दिवस को श्रद्धा पूर्वक मनाया जाएगा। इस दिन उनकी स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन भी होगा। इससे उनकी स्मृति भी बनी रहेगी और उससे देशभक्ति और गरीबों की सेवा की प्रेरणा हम प्राप्त करेंगे, ऐसे कई उपाय किए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान 4 दिसम्बर को उनको श्रद्धा-सुमन अर्पित करने इंदौर जिले के पातालपानी जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि हम सब आजादी का 75वां उत्सव मना रहे हैं। ये आजादी दिलवाने में कई क्रांतिकारी भाइयों और बहनों ने अपना अमूल्य बलिदान दिया है। अनेक कष्ट सहन

किए, यातनाएँ सही हैं। फाँसी का फंदा गले में डाला। ऐसे ही अमर क्रांतिकारी, बलिदानी टंट्या मामा ने गरीब जनजाति भाई-बहनों का शोषण न हो और भारत माता के पैरों से परतंत्रता की बेड़ियाँ, गुलामी की जंजीरें काटी जाएँ।

सात वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा किया गया अपराध कब क्षमा योग्य है होता है, जानिए/IPC....।

कहते कि की कम उम्र के बच्चों को समझ नहीं होती है एवं भगवान भी उनकी गलती को माफ कर देते हैं। अगर हम बात करे बाल-विकास की तो इनकी आई.क्यू. क्षमता 70 से 80-85 के बीच होती है जो क्षीण बुद्धि या मंद बुद्धि के अंतर्गत आती है। इसकी को ध्यान में रखते हुए हमारी दण्ड संहिता में सात वर्ष की कम उम्र के बच्चों द्वारा किया गया कोई अपराध, अपराध नहीं माना है।

भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 82 की परिभाषा: अगर किसी सात वर्ष से कम उम्र के बालक या बालिका द्वारा कोई अपराध किया जाता है तब वह धारा 82 के अंतर्गत किसी भी प्रकार का अपराध नहीं होगा। अर्थात वह पूरी तरह क्षमा योग्य होगा।

उधारानुसार वाद-1. बाबू सेन बनाम सम्राट- के मामले में यह स्पष्ट किया गया कि धारा 82 के अंतर्गत सात वर्ष से कम आयु के बच्चों को आपराधिक दायित्व से पूर्ण उन्मुक्ति केवल दण्ड संहिता की धारा 82 ही नहीं देती है यह उन सभी स्थानीय विधि, विशिष्ट विधियाँ पर भी लागू होता है।

2. श्याम बहादुर बनाम राज्य-- मामले में सात वर्ष से कम आयु के एक बालक को सोने की एक तश्तरी पड़ी मिली जिसकी उसने कही भी रिपोर्ट नहीं लिखवाई और अपने पास रख ली, परन्तु फिर भी उसके विरुद्ध कोई अभियोजन नहीं चलाया जा सका।

- लेखक बी.आर.अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

कविता

रोज हवा चली है
कैसी मेरी ये पहेली है
दूर से देख घबरा गई अकेली
ज़िन्दगी एक तरफा हो चली है।

क्यू ये पहेली है
ज़िंदगी कहीं चली है
रोज इन राहों में
मै कहीं और वो कहीं खड़ी है।

एक टूक सा मन मेरा
बाते अनकही सी है
चलती रही राहों मे
आंखे धुंधला रही है
कहीं धूप कहीं छाव हो रही है
ज़िन्दगी एक तरफा हो चली है।।

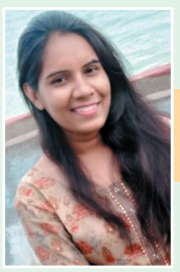

वैशाली नारनवरे

शिक्षक भर्ती में 14 प्रतिशत से अधिक ओबीसी आरक्षण नहीं

प्रदेश सरकार के शिक्षक भर्ती में 27% आरक्षण के आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर की बेंच से सरकार को झटका लगा है। प्रदेश में शिक्षक भर्ती में 27%आरक्षण देने के आदेश पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। आदेश में कहा है कि 14% से अधिक ओबीसी को आरक्षण नहीं दिया जा सकता। यहां बताते चलें कि कोर्ट में लंबित प्रकरणों को छोड़कर पूर्व में महाधिवक्ता ने राज्य सरकार को 27% आरक्षण लागू करने संबंधी अभिमत दिया था।

महाधिवक्ता की इस विधिक राय के आधार पर राज्य सरकार ने शिक्षक भर्ती में ओबीसी को 27 ब्र आरक्षण का प्रावधान देते हुए चयन की सूची जारी कर दी थी। शिक्षा विभाग के इस आदेश को हाईकोर्ट की अवमानना बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इस पर 18 नवंबर को चीफ जस्टिस रवि मलिमठ और जस्टिस विजय शुक्ला की डबल बेंच में सुनवाई हुई। डबल बेंच ने कहा कि 14% से अधिक आरक्षण की अनुमति नहीं दी जा सकती। मामले में राज्य सरकार को नोटिस जारी करते हुए 6 दिसंबर को अगली सुनवाई के निर्देश दिए हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता राजस्थान निवासी प्रबल प्रताप सिंह के वकील आदित्य संघी ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार की ओर से स्कूल शिक्षकों की भर्ती में ओबीसी के लिए 27% और ईडब्ल्यूएस को 10% आरक्षण लागू करने से कुल आरक्षण की सीमा 73% हो जाएगा। एससी को 20% तो एसटी को 16% आरक्षण पहले से दिया जा रहा है। वहीं, ओबीसी के लिए अभी 14 ब्र आरक्षण देने का प्रावधान है। यह इंदिरा साहनी केस और मराठा आरक्षण संबंधित याचिकाओं में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन है। मराठा आरक्षण प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट पहले ही कह चुका है कि जातिगत आरक्षण दिए जाने का भी संवैधानिक प्रावधान नहीं है।

27 फीसदी की इजाजत नहीं: राज्य सरकार ने इससे पहले 27% ओबीसी आरक्षण पर लगी रोक हटाने के लिए आवेदन लगाया था, पर हाईकोर्ट उसे भी खारिज कर चुकी है। प्रबल प्रताप सिंह और अन्य 11 की तरफ से दायर अवमानना याचिका में कहा गया है कि पूर्व में जबलपुर हाईकोर्ट ने आधा दर्जन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश में 27% ओबीसी आरक्षण लागू करने पर रोक लगा दी थी। बावजूद राज्य सरकार उच्च माध्यमिक शिक्षक पद के चयन में ओबीसी के लिए 27% और ईओडब्ल्यू के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण लागू करते हुए अंतिम सूची जारी कर दी थी।

महाधिवक्ता के अभिमत ने करा दी फजीहत

याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग ने महाधिवक्ता के अभिमत का हवाला देते हुए सर्कुलर जारी किया था। इसमें कहा गया था कि हाईकोर्ट लंबित प्रकरणों के अलावा अन्य विभागों में 27ब्र ओबीसी आरक्षण लागू करने के लिए राज्य सरकार स्वतंत्र है। इस सर्कुलर के आधार पर लोक शिक्षण आयुक्त ने उच्च माध्यमिक शिक्षक पद के चयन में 27ब्र ओबीसी आरक्षण लागू कर अंतिम चयन सूची जारी कर दी थी।

क्या सरकार द्वारा महिला संस्थान में स्पेशल महिला स्टॉप की नियुक्ति करना संवैधानिक है या असंवैधानिक? जानिए/ The Constitution Of India....

बी.आर. अहिरवार,
ब्यूरो हेड होशंगाबाद,
मो.-9827737665

अक्सर हम देखते हैं कि बहुत से ऐसे महिला संस्थान या विद्यालय-महाविद्यालय, महिला थाना आदि होते हैं जिसमे सिर्फ महिला को ही विशेष रूप से कार्य के लिए रखा जाता है, तब क्या सरकार द्वारा ऐसे में भारतीय संविधान,1950 के अनुच्छेद 14- समानता के अधिकार या अनुच्छेद 16- लोक सेवाओं में अवसर की समानता के अधिकार का उल्लंघन होता है मना जाएगा जानते हैं।

भारतीय संविधान,1950 के अनुच्छेद 15(3) की परिभाषा- अनुच्छेद 15 का कोई भी नियम राज्य को स्त्रियों और बालको के लिए विशेष नियम बनाने से नहीं रोकेगी। क्योंकि स्त्रियों ओर बालकों की स्वाभविक प्रकृति ही ऐसी होती हैं जिसके कारण उन्हें विशेष संरक्षण की आवश्यकता होती है। भारत में स्त्रियों की दशा पहले से ही बहुत शोचनीय थी,वे अपनी सामाजिक कुरीतियों जैसे- बाल विवाह, बहु विवाह, सतीप्रथा, पर्दाप्रथा आदि की शिकार थी और वे पूर्णरूप से पुरूषों पर आश्रित थी, इसी कारण राज्य उनके लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15(3) के अंतर्गत विशेष कानून बनाने का अधिकार रखता हैं।

उधारानुसार निर्णायक वाद- विजय लक्ष्मी बनाम पंजाब विश्विद्यालय- उक्त मामले में विश्वविद्यालय कैलेण्डर के एक नियम के अंतर्गत महिला विद्यालयो में प्रिंसिपल के पद पर केवल महिलाओं की नियुक्ति का प्रावधान किया गया था। इस मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया कि यह नियम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 एवं अनुच्छेद 16 का उल्लंघन नहीं करता है क्योंकि इसके अधीन किया गया वर्गीकरण सही है और इसका उस उद्देश्य से संबंध है जिसे पूरा किया जाना अर्थात महिलाओं की सुरक्षा हैं। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 15(3) के अधीन राज्य सरकार को स्त्रियों के लिए विशेष नियम बनाने की शक्ति प्राप्त है एवं कोई भी न्यायालय अनुच्छेद 15(3) के अधीन राज्य द्वारा महिलाओं के हित में बनाये गए नियमो या निर्णय में हस्तक्षेप नहीं कर सकता है।

SC-ST के सदस्यों से बंधुआ या जबरदस्ती मजदूरी करवाना एक गंभीर अपराध होता है जानिए/SC-ST act,1989....।

वैसे तो किसी भी व्यक्ति से बंधुआ मजदूरी या जबरदस्ती काम करवाना भारतीय भारतीय संविधान,1950 का अनुच्छेद 23 का उल्लंघन होता है और भारतीय दण्ड संहिता,1860 की धारा 374 भी यही कहती है कि किसी भी व्यक्ति से उसकी इच्छा के विरुद्ध जबरदस्ती मजदूरी करवाना एक गंभीर अपराध होता है इसके लिए अधिकतम एक वर्ष का कारावास हो सकता है। अगर हम बात करे श्रम विधि की तो बंधक श्रम पध्दति(उत्पादन) अधिनियम,1976 भी बंधुआ मजदूरी पर रोक लगता है। लेकिन अगर कोई व्यक्ति किसी विशेष वर्ग के व्यक्ति अर्थात SC-ST के सदस्यों से खेत में जबरदस्ती मजदूरी करवाता है या किसी व्यक्ति को कर्ज देकर या पूर्वजो का कर्ज बताकर आज भी बंधुआ मजदूरी करवाता है वह व्यक्ति जो उपर्युक्त वर्ग का सदस्य नहीं है उस पर विशेष विधि की किस धारा के अंतर्गत मामला दर्ज होगा जानिए।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति(अत्याचार निवारण) अधिनियम,1989 की धारा 3(1), (ज) की परिभाषा- कोई व्यक्ति जी अनुसूचित जाति या जनजाति का सदस्य नहीं है वह ऐसे विशेष वर्ग के सदस्यों से किसी भी प्रकार की बधुआ मजदूरी करवाएगा या कर्ज अधिरोपित करके बंधक बनाकर रखेगा या किसी लोकसेवक को दिए गए सरकार द्वारा कोई काम से भिन्न अन्य कार्य करने के लिए विवश करेगा या जबरदस्ती धमका कर विधि विरुद्ध कोई श्रम करवाएगा। तब वह व्यक्ति अधिनियम की धारा 3(1)(ज) के अंतर्गत दंडनीय होगा।

सजा का प्रावधान: धारा 3(1)(ज) के अपराध का विचारण विशेष न्यायालय द्वारा ही किया जाएगा यह संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध होंगे। इस धारा के अपराध के लिए अधिकतम पाँच वर्ष की सजा एवं जुर्माना से दण्डित किया जा सकता है।

पीड़ित व्यक्ति को राहत राशि: अनुसूचित जाति और जनजाति(अत्याचार निवारण) नियम,1995 नियम 12(4) के अनुसार इस अपराध के अंतर्गत पीड़ित व्यक्ति को राज्य शासन द्वारा एक लाख की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि जिला कलेक्टर या स्छरू या जिला संयोजक अनुसूचित जाति एवं जनजाति कार्यालय द्वारा स्वीकृत होती है।

- लेखक बी.आर.अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांग बच्चों हेतु चिकित्सीय एवं मूल्यांकन शिविर लगाया गया

बैरासिया। स्थान शासकीय उत्कृष्ट बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैरासिया जिसमें 122 का पंजीयन हुआ 56 के प्रमाण पत्र बने 33 के Inko उपकरण के लिए नाम गए है कैम्प में समस्त ग्रामीण जन कर्मचारीगण सामाजिक कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

रैली निकाल कर मांगीलाल सैनिक का भव्य स्वागत किया

बैरासिया। तहसील के गॉव मन खियाई के गौरव मांगीलाल सैनिक 17 साल की सेवा पूर्ण की देश की सीमाओं की रक्षा कर हमारे बीच दिनांक 18/11/2021 दिन गुरुवार को अपनी जन्मभूमि पर लौट आये नरेला पेट्रोल पंप से लेकर बैरासिया नगर के मुख्य चौराहे पर रैली निकाल कर मांगीलाल सैनिक का भव्य स्वागत किया सैनिक ने अंबेडकर पार्क में जाकर बाबा साहब की प्रतिमा पर फूल माला चढाकर नमन किया समस्त बैरासिया क्षेत्र वाशियों ने समस्त मित्र मंडल दारा स्वागत किया गया रामबाबू भैया मित्र मंडल के द्वारा भी भव्य स्वागत किया गया मित्रगण रिश्तेदारों ने सैनिक मांगीलाल को बधाई शुभकामनाएं दी।

एक दिन में 17 लाख से अधिक वैक्सीन डोज लगाने पर मुख्यंत्री श्री चौहान ने दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेशवासियों ने एक बार फिर जन-भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। आज 17 नवम्बर को 17 लाख से अधिक पात्र नागरिकों को वैक्सीन डोज लगाई गई है। कोरोना से बचाव के लिए प्रदेश में चलाए जा रहे कोविड-19 टीकाकरण महाअभियान में जन-सहयोग से फिर सफलता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमने यह तय किया है कि दिसम्बर माह के अंत तक प्रदेश के सभी पात्र नागरिकों को वैक्सीन की दोनों डोज लगाकर सुरक्षा कवच प्रदान किया जाए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रदेश में टीकाकरण महाअभियान की श्रंखला चलाई जा रही है। इन महाअभियानों को सफल बनाने के लिए इस बार सभी विभागों का सहयोग भी लिया गया है। साथ ही क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी, सामाजिक संस्थाओं, कोरोना वॉलेंटियर्स, धर्म-गुरुओं, जन-प्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने सक्रिय भूमिका निभाई है, जिसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं।

अधूरी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करें: मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में अधूरी परियोजनाओं का कार्य तेज गति से पूरा किया जाए। परियोजनाओं में विलंब एवं गड़बड़ी करने पर निर्माण एजेंसियों पर पेनाल्टी लगाकर कार्यवाही की जाएगीद्य ठेकेदारों को ब्लेक लिस्टेड किया जाएगा। परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए निर्माण एजेंसी एवं संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में प्रगति ऑनलाइन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट फ्रेमवर्क की परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।

नई कार्य-संस्कृति का विकास करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी विभाग मिलकर नई कार्य-संस्कृति का विकास करें। एक साथ बैठकर सभी एजेंसियाँ कार्य पूरा करने के संबंध में लक्ष्य निर्धारित करें। सभी एजेंसियाँ आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें।कोठा- बैराज परियोजना मुख्यमंत्री श्री चौहान ने विदिशा जिले की कोठा- बैराज परियोजना के कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए विलंब का कारण पूँछा।

विश्व रत्न बोधिसत्व डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा अनावरण समारोह

रायसेन/ उदयपुरा। युवा नेता रमन वामने ने बताया 26 नवंबर को संविधान अंगीकार दिवस के शुभ अवसर पर स्थान डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भवन प्रागंण उदयपुरा जिला रायसेन मध्यप्रदेश में विश्व रतन बोधिसत्व डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण किया जा रहा है जिसके मुख्यअतिथि मध्यप्रदेश शासन में लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्री डा प्रभुराम चौधरी जी एवं विशेष अतिथि क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र सिंह पटेल जी, ओर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, एवं समाज सेवी रहेगे व अनावरण कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. हेमंत नरवरिया संयोजक आरक्षण वचाओ संघर्ष समिति मध्यप्रदेश, संयोजक अनुसुचित जाति मध्यप्रदेश काग्रेस कमेटी करेंगे। कार्यक्रम में सुवह 10 वजे नगर भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी इसके वाद दोपर 12 वजे विश्व रत्न डा भीम राव अम्बेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण अतिथियों द्वारा किया जायेगा तद उपरांत अंधविश्ववास घार्मिक पाखंड वाद मृत्यु भोज व रसोई,सामाजिक कुप्रथा ओ पर विचार संगोष्ठी होगी तथा 3 वजे से लंगर प्रसादी वितरण किया जायेगा ओर शाम 6 वजे कार्य क्रम का समापन एवं आभार प्रदर्शन होगा। अतर सिंह भारतीय, अरविंद टेटवाल बालकृष्ण नरवरिया,धनराज नरवरिया, एम. एल. चौधरी,वलराम नरवरिया कडोरी लाल हरिनारायण, कमलेश ठेकेदार ,दीनदयाल नरवरिया, खरगराम, मोती लाल, एवं समस्त सामाजिक वंधुओ अपील की है कि कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में पहुँच कर सफल वनाये।

अहिरवार समाज संघ युवा प्रकोष्ठ उदयपुरा के तत्वावधान में वैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि माननीय एम एल वघेल साहब (सयुक्त सचिव) अहिरवार अहिरवार अहिरवार संघ मध्यप्रदेश द्वारा की गई ।वैठक में विशेष अतिथि अखलेश कुमार गोतम जी लखनऊ (उत्तर प्रदेश) वैठक की अध्यक्षता माननीय रमन वामने (कार्यवाहक अध्यक्ष)अहिरवार समाज संघ जिला रायसेन द्वारा की गई वैठक में युवा वर्ग उपस्थित रहा युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी गठन किया गया। वैठक में संजीव नरवरिया ,बालकृष्ण नरवरिया, हल्कैभैया अहिरवार, प्रदीप अहिरवार, दीपक अहिरवार, राजू चौधरी, राहुल अहिरवार, हेमंत अहिरवार, पवन अहिरवार, महेन्द्र अहिरवार, सुरेन्द्र माड़रे, लखन अहिरवार, अजय अहिरवार, नीरज अहिरवार, विशाल अहिरवार, संदीप अहिरवार, नीलेश अहिरवार आदि युवा उपस्थित थे अंत में अहिरवार समाज संघ जिला रायसेन के कार्यवाहक अध्यक्ष रमन वामने द्वारा सभी युवाओ का आभार व्यक्त किया गया।

कोरिया से दिलीप और घनश्याम का चयन संतोष ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट हेतु

उमेश तिवारी

बैकुंठपुर। छत्तीसगढ़ फुटबॉल संघ के द्वारा कोरिया जिले के न्यू स्पोटिंग फुटबॉल क्लब चरचा खिलाड़ी दिलीप सारथी और घनश्याम राजवाड़े का चयन संतोष ट्रॉफी फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए छत्तीसगढ़ टीम मैं किया गया है। अखिल भारतीय फुटबॉल एसोसिएशन के द्वारा कोलकाता के कल्याणी स्टेडियम में आयोजित संतोष ट्रॉफी टूर्नामेंट में कोरिया के दोनों खिलाड़ी छत्तीसगढ के टीम से भाग लेंगे। छत्तीसगढ़ अपना प्रथम लीग मैच कल्याणी स्टेडियम में 21 नवंबर को पश्चिम बंगाल के विरुद्ध खेलेगी, वही अपना दूसरा मैच 23 नवंबर को सिक्किम के विरुद्ध खेलेगी।दोनों खिलाड़ियों का चयन होने पर जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष व एसपी कोरिया संतोष सिंह एवं संघ के सचिव डॉ. एके बीराजी, संघ के सहसचिव एवं न्यू स्पोटिंग फुटबॉल क्लब चर्चा के मैनेजर प्रदीप कुमार डे और कोच विजय विश्वकर्मा ने हर्ष जाहिर करते हुए बधाई दी है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने चयन का श्रेय टीम के कोच विजय विश्वकर्मा, मैनेजर प्रदीप कुमार डे एवं सभी साथी खिलाड़ियों को दिया है। विदित हो कि लगभग 20 दिन की कड़ी ट्रेनिंग एवं चयन प्रक्रिया से गुजरते हुये छत्तीसगढ़ से शामिल 70 खिलाड़ियों में से केवल 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया। जिसमें कोरिया जिले के दिलीप सारथी और घनश्याम राजवाड़े का चयन संतोष ट्रॉफी टूर्नामेंट हेतु हुआ है। उल्लेखनीय है कि चरचा कालरी क्षेत्र में फुटबॉल के प्रति लोगों का जुनून है। इसके पूर्व भी चरचा के कई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल हो चुके हैं। साथ ही देश की ख्यातिलब्ध मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब कोलकाता के लिये भी खेल चुके हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लाला लाजपत राय जी की पुण्य-तिथि पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मुख्यमंत्री निवास सभा कक्ष में लाला लाजपत राय जी की पुण्य-तिथि पर नमन कर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में लाला लाजपत राय जी के योगदान का स्मरण भी किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने भी लाला जी को नमन किया। लाला लाजपत राय का 17 नवंबर 1928 को अवसान हुआ था। इसके पहले 30 अक्टूबर को वे साइमन कमीशन के विरुद्ध प्रदर्शन में लाठीचार्ज से गंभीर रूप से घायल हुए थे।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
भोपाल (मप्र)मो.- 9755364204

1962 के चीन युद्ध के शहीदों को किया नमन

विदिशा। गुरूवार को शहीद ज्योति स्तंभ पहुंचकर शहर के विभिन्न संस्थानों के नागरिकों ने 18 नवंबर 1962 के चीन युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को नमन करते हुए यादव अहीर रेजीमेंट गठित करने की मांग की। आज ही के दिन 18 नवंबर 1962 को लद्दाक क्षेत्र के रेजलॉग क्षेत्र में मात्र 120 भारतीय टुकड़ी ने चीन के हजारों सैनिकों को रोककर रखा। लगातार होते हमले को नाकाम करते हुए 114 सैनिक शहीद भी हुए थे, लेकिन चीनी सैनिक ज्यादा तादात में होने के बावजूद चौकी पर कब्जा नहीं कर सके। उन्हीं शहीदों को नमन करते हुए गुरूवार को शहर में मौजूद पूर्व सैनिकों, समाजसेवियों, विभिन्न संस्थानों के सदस्य, यादव महासभा के सदस्यों ने शहीद ज्योति स्तंभ पर सैनिकों की शहादत को याद किया। इस मौके पर यादव महासभा प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने कहा कि देश में विभिन्न रेजीमेंट मौजूद हैं जो देश की सुरक्षा का काम कर रही है, लेकिन अब तक यादव रेजीमेंट नहीं बन सकी है। लंबे समय से इसकी मांग की जा रही है। पूर्व सैनिक संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि उन 120 सैनिकों में से सिर्फ 2 सैनिक जीवित हैं और उनकी मंशा है कि उनके जीते जी यादव रेजीमेंट का गठन किया जाए।

नसबंदी पखवाड़ा 21 से

विदिशा। पुरूष नसबंदी पखवाड़े का आयोजन 21 नवम्बर से चार दिसम्बर तक किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. एपी सिंह ने पुरूष नसबंदी पखवाड़े के तहत लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु गुरूवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा सभी विकासखण्डों के बीईई, बीसीएम, एमपीएस, एमपीडब्ल्यू, आशा सुपरवाईजर को आवश्यक मार्गदर्शन दिया है।

33/केव्ही उपकेन्द्र का शिलान्यास आज

विदिशा। एसएसटीडी योजना अंतर्गत ग्राम आमखेड़ा सूखा में स्वीकृत नवीन 33/11 केव्ही उपकेन्द्र का शिलान्यास कार्यक्रम आज 19 नवम्बर को आयोजित किया गया है। 228.86 लाख की लागत से बनने वाले 33/11 केव्ही उपकेन्द्र के भूमिपूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सागर विदिशा सांसद राजबहादुर सिंह तथा स्थानीय विधायक राजश्री रूद्रप्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के महाप्रबंधक अंकुर सेठ ने बताया कि शिलान्यास कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष डा. राकेश जादौन, पूर्व विधायक रूद्रप्रताप सिंह तथा ग्राम आमखेडा सूखा के भूमि दानदाता प्रतापसिंह राजपूत की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न होगा।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वच्छ भारत अभियान चलाया गया

युवा प्रदेश नेटवर्क

होशंगाबाद। शासकीय नर्मदा महाविद्यालय होशंगाबाद में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत स्वच्छ भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक कचरा एकत्रीकरण का कार्य किया गया महाविद्यालय के मधुबन गार्डन में साफ सफाई का कार्य किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे और सहयोग प्रदान किया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे, कार्यक्रम अधिकारी डॉ इरा वर्मा, डॉ सुनील कुमार दिवाकर, आरती रावत, डॉक्टर कुमुदिनी भार्गव डॉ रेणुका ठाकुर , डॉ राजीव द्विवेदी एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रही।

अहिरवार समाज संघ ने सौंपा ज्ञापन

युवा प्रदेश नेटवर्क

कुरवाई। जिला अध्यक्ष शैतान सिंह अहिरवार के नेतृत्व में माननीय एसडीएम महोदय कुरवाई को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें अशोक नगर क्षेत्र के साडोरा गांव की घटना को लेकर हमारे भीम आर्मी के पदाधिकारियों के साथ कुछ गुंडों द्वारा मारपीट की गई और उन्हीं को जेल भेज दिया गया ज्ञापन में मानती है जल्द से जल्द हमारे पदाधिकारियों को रिहा किया जाए और निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए ज्ञापन सौंपने वालों में मदन सिंह चौकीदार संघ अध्यक्ष पूर्व सरपंच प्रेम नारायण मेहलुआ चौराहा देशराज सिंह सरपंच मनिया खेड़ा वीर सिंह जी कुरवाई भीम आर्मी ब्लॉक अध्यक्ष कल्याण सिंह जी शिवचरण अहिरवार दयाराम विकास अहिरवार कमल सिंह अंकित देव राजेश बोध रामेश्वर एवं ग्रामीण क्षेत्र के काफी लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया बहुत-बहुत धन्यवाद।

अहिरवार समाज संघ गुना के द्वारा कलेक्टर महोदय को दिया ज्ञापन

गुना। गुना जिले में श्रीमान कलेक्टर महोदय गुना को महामहिम राष्ट्रपति जी को शाडोरा जिला अशोकनगर की घटना के संबंध में निष्पक्ष जांच कर उचित कार्यवाही करवाने के संबंध में ज्ञापन अहिरवार समाज संघ गुना द्वारा दिया गया। इसमे उपस्थित जिला अध्यक्ष कन्हैया रामजी जिला कार्यवाहक अध्यक्ष भंवरलाल अहिरवार सरपंच झिरी पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामकृष्ण देहलवार जी संतोष भारती पूर्व जिला युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष भूरा गेहूखेडा जिला सचिव परमल सिंह जी जिला सचिव नाराणसिंह जी जिला उपाध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष पंचुलाल जी चाचौड़ा, ब्लॉक अध्यक्ष रामरतन जी राघोगढ़, गजानन्द जी ब्लॉक उपाध्यक्ष, चेन सिंह जी राजेश जी, शिवराम जी सतीश, लकेरिया जी मेघनाद बगोरिया आदि उपस्थित थे।

एक घटना की गवाही देने पर युवक से मारपीट

विदिशा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हाईवे किनारे स्थित हर्ष कालोनी में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने एक मामले में गवाही देने के चलते उसके साथ मारपीट की है। जानकारी के अनुसार बंटी नगर निवासी धर्मेन्द्र उर्फ सोनू लोधी को कुछ युवक अपने साथ ले गए। बायपास रोड स्थित हर्ष कालोनी में उसके साथ मारपीट की गई। 100 डायल की मदद से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल धर्मेन्द्र ने बताया कि मारपीट करने वालों ने पिछले दिनों एक मामले में गवाही देने के कारण उसे मारपीट कर घायल किया है।

महामहिम राजपाल को जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक जी के माध्यम से अहिरवार समाज संध द्वारा सौंपा ज्ञापन

होशंगाबाद। मध्य प्रदेश सरकार में अनुसूचित जाति जनजाति वर्गों पर प्रतिदिन हो रहा अत्याचार पर अंकुश लगाए जाने एवं विगत दिनों मदागन गांव सदोरा जिला अशोकनगर मैं अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों के साथ जघन्न मारपीट एवं पीड़ितों से मिलने पहुंचे भीम आर्मी के पदाधिकारियों के साथ मारपीट करने वाले के विरुद्ध में महामहिम राजपाल महोदय जी को जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक महोदय जी के माध्यम से जिला अध्यक्ष एडवोकेट गुमान सिंह मांडले जी के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया के अहिरवार समाज संघ प्रदेश संरक्षक बी सी बरगले प्रदेश आईटी सेल अध्यक्ष संजेश गोलियां अहिरवार समाज संघ भोपाल संभाग अध्यक्ष सुनील बामने अहिरवार समाज संघ संभाग अध्यक्ष कन्हैया लाल अहिरवार, जिला उपाध्यक्ष संतोष पथोरिया, के के अहिरवार, मिश्री लाल अहिरवार, ब्लॉक अध्यक्ष मनमोहन अहिरवार, श्याम अहिरवार, अभिषेक चौधरी, धनु लाल, हरि ओम खापरे ,रवि अहिरवार, विनोद बामने, सुरेश पथौरिया, उमेश अहिरवार, अहिरवार समाज संघ के सभी पदाधिकारी एकत्रित होकर माननीय कलेक्टर महोदय जी को ज्ञापन सौंपा।

आंगन बाडी कार्यकर्ताओं द्वारा संभागीय स्तर पर संभागीय मुख्यालय अंबिकापुर मे अपनी 8 सुत्रीय मांगो को लेकर किया गया धरना प्रदर्शन

अम्बिकापुर। महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों में केन्द्र और राज्य सरकार के द्वारा सौंपे गये सभी महत्वपूर्ण कार्यों का निर्वहन हम ईमानदारी से करते आ रहे हैं। काम के अनुपात और बढ़ती महंगाई के अनुरूप मानदेय और अन्य सुविधायें बहुत ही कम है। वर्तमान में केन्द्र सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को 4500 रूपये और सहायिका को 2250 रूपये मानदेय प्रदान किया जा रहा है। क्रमशः प्रतिदिन 150 रूपये एवं 75 रूपये प्रतिदिन मिलता है, जो कि न्युनतम मजदूरी से भी कम है। इसी तरह कार्यकर्ता सहायिकाओं को 62 वर्ष की उम्र पूरा होने पर शासकीय कर्मचारीयों की तरह सेवानिवृत्त किया जा रहा है, लेकिन शासकीय कर्मचारियों की तरह कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है, बुढ़ापे के शेष जीवन यापन के लिये सामाजिक सुरक्षा के रूप में मासिक पेंशन का लाभ भी प्राप्त नहीं हो रहा है। यहाँ यह भी उल्लेख करना आवश्यक होगा कि कलेक्टर दर में कार्यरत एक मजदुर का भी प्रति वर्ष प्रोत्साहन स्वरूप कुछ न कुछ राशि प्रतिवर्ष बढ़ाया जाता है, लेकिन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओं के लिये यह भी प्रावधान दोनों सरकारों के पास नहीं। छत्तीसगढ़ राज्य में कार्यरत आंगनबाडी कार्यकर्ता सहायिकाओं को राज्य सरकार के द्वारा 2000 रुपये कार्यकर्ता और 1000 रूपये सहायकाओं को दिया जा रहा है। इस तरह से केन्द्र और राज्य को मिलाकर 6500 रू. कार्यकर्ता को और 3250 रू. सहायिकाओं को मानदेय मिल रहा है, जबकि मध्यप्रदेश और अन्य कई राज्यों में 10000 रू. या इससे अधिक मानदेय है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अपने चुनावी जन घोषणा पत्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को नर्सरी शिक्षक के रूप में उन्नयन किये जाने और कलेक्टर दर पर वेतन स्वीकृत किये जाने का उल्लेख किया गया है, लेकिन ढाई वर्ष से अधिक का कार्यकल पूरा होने के बाद भी वादा पूरा नहीं किया जाना अत्यंत दुखद बात

है। अभी हाल में केन्द्र सरकार द्वारा मोबाईल के माध्यम से पोषण ट्रेकर एप का डाउनलोड करना इससे जानकारी भेजना तथा जानकारी नहीं भेजने पर मानदेय काटने का निर्देश दिया गया है, इसी तरह मतदाता सूची का पुनिरीक्षण केन्द्र खोलने और बंद करने के साथ ही साथ अन्य कई विभागीय गतिविधियों को मोबाईल से जानकारी भेजने हेतु समय समय पर निर्देश दिया जा रहा है, जो कि पूर्ण अव्यवहारिक है क्योंकि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अल्प मानसेवी है ग्रामीण अंचलों में कम पढ़ी लिखी है, विभाग द्वारा ना तो मोबाईल दिया गया है और न ही नेट चार्ज ऐसे स्थिति में मोबाईल पर कार्य करने का दबाव बनाना न्याय संगत नहीं है। उक्त विषयों के साथ ही साथ इस पत्र के साथ संलग्न अन्य 08 सूत्रीय मांगों के प्रति केन्द्र और छत्तीसगढ़ सरकार की ओर संघ द्वारा ध्यानाकर्षण करते हुये दिनांक 22.09.2021, दिनांक 26.09.2021, दिनांक 02. 10.2021, दिनांक 23.10.2021, दिनांक 01.11.2021 को परियोजना, जिला स्तर में ध्यानाकर्षण धरना प्रदर्शन कर शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया है, लेकिन ना तो इस संबंध में संघ प्रतिनिधियों से चर्चा हुई है और ना ही कोई सार्थक पहल किया गया है। इसलिये ध्यानाकर्षण के छठवें चरण के तहत प्रत्येक संभाग में संभाग स्तरीय धरना रैली का आयोजन कर शासन का ध्यानाकर्षण किया जा रहा है, जिसके तहत आज दिनांक 18.11.2021 को न्यायधानी अम्बिकापुर में सरगुजा संभाग, कोरिया, जशपुर, सुरजपुर, बलरामपुर और अम्बिकापुर जिले के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओं का यह आग्रह पत्र आपकी ओर प्रेषित कर निवेदन करते हैं कि हमें भी जिने लायक वेतन बुढ़ापे का पेंशन दिलाते हुये संलग्न मांग पत्रों की पूर्ति कराने का कष्ट करें। इसके बाद भी मांगों की पुर्ती नही होने पर दिनांक 10.12.2021 से 16.12.2021 तक रायपुर राजधानी मुख्यालय में दिन व रात का महाधरना रैली किया जावेगा।

प्रमुख मांगे

1. शिक्षा कर्मियों की तरह आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओं को भी शासकीय कर्मचारी घोषित किया जाये प्रमुख मांगे । तब तक जीने लायक वेतन कम से कम मध्यप्रदेश जैसे 10,000 स्वीकृत किया जावे, चुनावी घोषणा पत्र को पुरा किया जावे।
2. मिनी आंगनबाड़ी को पूर्ण आंगनबाड़ी बनाया जावे।
3. सुपरवाईजर के रिक्त पदों को शत-प्रतिशत वरिष्ठता क्रम में कार्यकर्ताओं से ही शीघ्र भरा जावे।
4. कार्यकर्ता के रिक्त पदों को सहायिकाओं से ही भरा जावे 25 प्रतिशत के बंधन को समाप्त किया जावे।
5. मासिक पेंशन, ग्रेज्युवेटी, समूह बीमा का लाभ दिया जावे।
6. मोबाईल, नेट चार्ज और मोबाईल भत्ता दिया जावे, तब तक में कोई कार्य न लिया जावे। बी.एल.ओ. का कार्य भी मोबाईल से ना लिया जावे।

न्यूज ब्रीफ

एसडीएम ने स्कूल पहुंच कर विद्यार्थियो को दिए टिप्स

सिलवानी। शासकीय अधिकारी सामाजिक सरोकारो के तहत केरियर निर्माण के किए जाने के लिए शिक्षण संस्थानो मे पहुंच कर छात्र छात्रों को विभिन्न टिप्स देकर युवा पीढ़ी के भविष्य निर्माण में अपनी प्रतिबद्धता को जाहिर कर रहे हैं। शासकीय कार्यो का संपादन करने के साथ ही केरियर निर्माण किए जाने हेतु युवा पीढ़ी को टिप्स दिए जाने व अनुभव की जानकारी से अवगत कराने को लेकर एसडीएम संघमित्रा बौद्ध सक्रियता बरत रही है। ताकि विद्यार्थी उनके प्रषासनिक अनुभव प्रापत कर केरियर निर्माण कर सके। गुरूवार को दोपहर के समय एसडीएम संघमित्रा बौद्ध नूरपुरा व श्नीचरा मौहल्ला स्थित शासकीय प्राथमिक शाला पहंची। यहां पर एसडीएम के द्वारा स्कूल भवन का निरीक्षण किया । तथा कक्षाओं में अध्ययन कर रहे छात्र छात्राओं से पढ़ाई को लेकर चर्चा की । तथा मौजूद विद्यार्थियों को केरियर बनाने के अनेक टिप्स भी दिए । तथा कहा कि एकाग्र मन से पढ़ाई करे। केरियर निर्माण में पढ़ाई का अधिक महत्व होता है। इस दौरान उन्होने शिक्षको को कार्य योजना बना कर अध्यापन कार्य कराने के निर्देष दिए साथ ही अध्यनरत विद्यार्थियो की संख्या के मान से षिक्षको को मार्गदर्षन किए जाने का दायित्व सौंपा।

अनियंत्रित डंपर ने लोडिंग वाहन को मारी टक्कर, एक घायल

रायसेन। जिले के गढ़ी-गैरतगंज के पास भोपाल-सागर रोड पर एक अनियंत्रित तेज रफ्तार डंपर ने सामने से आ रहे लोडिंग ट्रक को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में लोडिंग वाहन का ड्राइवर घायल हो गया। वहीं घटना के बाद से डंपर चालक फरार हो गया। जानकारी के अनुसार,गुरुवार दोपहर गढ़ी के पास भोपाल रोड पर रफ्तार से आ रहे बिना नंबर के एक डंपर चालक ने गौरझामर सागर की ओर जा रहे लोडिंग ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर में ट्रक क्षतिग्रस्त हो गया और उसका ड्राइवर विशाल अहिरवार घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लोडिंग वाहन के हेल्पर लक्ष्मण पटेल ने बताया कि वह खुद ट्रक में सवार था। हादसे में वह किसी तरह से सुरक्षित बच गया। उसका कहना है कि घटना के बाद डंपर चालक डंपर लेकर मौके से फरार हो गया।

भाजपा कार्यकर्ता हितग्रहियो को दे रहे योजनाओं का लाभ

सिलवानी। भाजपा के कार्यकर्ता व पदाधिकारी शासकीय योजनाओं के लाभ से हितग्राहियो को लाभांवित किए जाने को लेकर विधायक रामपाल सिंह राजपूत के निर्देशन में गांव गांव जाकर योजनाओं के स्वीकृति पत्र हितग्राहियो को सौंप रहे हैं। गुरुवार को अंचल की ग्रम पंचायत बम्होरी बर्धा केगांव रिमझा, सिंगोटा पहुचे भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय शुक्ला द्वारा पीएम आवास योजना, कर्मकार मंडल योजना के स्वीकृति पत्र तथा राशन पर्ची हितग्राहियों को प्रदान की । उन्होने संक्षिप्त संबोधन में क्षेत्र के विकास में विधायक रामपाल सिंह राजपूत के द्वारा किए कराए जा रहे विकास व हितग्राही मूलक योजनाओं का ब्यौरा दिया।

सर्द हवा के कारण दिन और रात के तापमान में आई गिरावट

मौसम ने बदला रूख फिजा हो गई ठंडी,लोगों ने निकाले गर्म कपड़े

रायसेन। जिले में अब सर्दी धीरे-धीरे पांव पसारने लगी है। पारा भी धीरे-धीरे नीचे आने लगा है। शाम के बाद घर से निकलने पर गर्म कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगी है। वहीं यदि आप बाहर जा रहे हैं तो बगैर गर्म कपड़ों के काम नहीं चलने वाला। हालांकि बुधवार के मुकाबले गुरूवार को न्यनूतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। वही सुबह और शाम पारे में लगातार गिरावट के बीच ठंड ने दस्तक दे दी है। आने वाले दिनों में तापमान और गिरने से ठंड बढ़ने के आसार हैं। सप्ताह के अंत में ठिठुरन और बढ़ेगी और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क सकता है। यह अनुमान मौसम विभाग ने लगाया है। तापमान में गिरावट आने से सुबह सड़कों पर सैर करने के लिए निकलने वाले लोग गर्म कपड़े पहनने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार इस बार सर्दी अधिक पड़ने की संभावना पहले से जताई है। इसका एहसास नवंबर में ही

महसूस होने लगा है। तापमान में गिरावट का सिलसिला जारी होने से इस माह के अंत तक न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना हैं। इससे जल्द सर्दी में व्यापक इजाफा होने की संभावना है।

सर्द हवाओं से बड़ी सर्दी

उत्तर भारत से आ रही सर्द हवाओं से जिले का मौसम ठंडा हो गया है। सर्द हवाओ के करण दिन और रात का तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में शीत लहर चलने की संभवना है। इसकी शुरू आत हो गई है। दिन का पारा कल की अपेक्षा चार डिग्री कम 11 डिग्री रिकार्ड किया गया। वही दिन का पारा चार डिग्री की गिरावट आई है। जो दिन का पारा 26.5 डिग्री दर्ज किया गया। जबकी एक दिन पहले दिन का तापमान 27.8 डिग्री दर्ज किया गया था। मौसम वैज्ञानिक डॉ एसएस तोमर ने बताया कि उत्तर भारत में बर्फबारी हो रही है इस करण वहां से सर्द हवाएं आ रही है, इन सर्द हवाओं के चलते अंचल में शीत लहर का दौर शुरू हो गया है। आने बाले दिनों में रात का पारा 3 से 4 डिग्री तक नीचे गिर सकता है।

फसलो के लिए होगा फायदा:-कृषि वैज्ञानिक स्वप्रिल दुबे बताया की वर्तमान में जिस तरह से ठंड पड़ रही है वह मौसम के अनुसार फसलों के लिए अनुकूल है। वातावरण में नमी आने से बोवनी के लिए भी यह मौसम सबसे अच्छा है।

श्रीराम कथा के पहले धूम-धाम से निकली कलश यात्रा

नगर में जगह-जगह पुष्प बर्षा कर किया भव्य स्वागत

रायसेन। गुरूवार को नगर में श्रीराम कथा के पहले धूम-धाम से निकली कलश यात्रा,नगर में जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत।

कलश यात्रा बाजेगाजों के बीच सिद्ध दादाजी हनुमान मन्दिर गंजबाजार से गुरूवार को दोपहर 1 बजे शुरू होकर रायसेन शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए कथा स्थल श्रीरामपुर नबावपुर पहुंचकर समापन होगी। कलश यात्रा में बड़ा सख्या में महिलाए सर पर कलश लेकर चल रही थी। संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन 18 से 26 नवंबर तक,रामकथा मानस पीठाधीश्वर जगदुरु श्री रामानन्दाचार्य श्रीरामल्लाचार्य महाराज मानसपीठ खजुरी ताल सतना के श्रीमुख से संगीतमय तरीके के साथ पेश की जाएगी। श्री राम कथा का आयोजन सर्व मनोकामना पूर्ण सिद्ध हनुमान मंदिर परिसर में 18 से 26 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। संगीतमयी श्रीरामकथा का आयोजन रोजाना दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक होगा। कथा के मुख्य आयोजक जगदुरु श्री रामल्लचार्य सेवा संस्थान रायसेन हैं। रामकथा का समापन 26 नवंबर शुक्रवार को होगा। इसी दिन हवन पूजन महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर पण्डित बद्री पाराशर,दिलीप त्रिपाठी,ब्रजेश राय आदि शामिल थे।

सामाजिक न्याय विभाग के प्रमुख सचिव ने किया महात्मा गॉधी वृद्धाश्रम का निरीक्षण

रायसेन। सामाजिक न्याय निःशक्तजन कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव प्रतीक हेजल द्वारा गत दिवस रायसेन स्थित महात्मा गॉधी वृद्धाश्रम तथा विकलांग पुनर्वास केन्द्र के नवीन भवन का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख सचिव श्री हेजल द्वारा वृद्धाश्रम के निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सराहना की गई। उन्होंने वृद्धजनों से भी चर्चा करते हुए नाश्ता, भोजन,स्वास्थ्य परीक्षण आदि के संबंध में जानकारी ली। साथ ही वृद्धजनों को फल तथा मिठाई वितरित की। प्रमुख सचिव श्री हेजल द्वारा वृद्धाश्रम में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक मनोज बाथम,विशेषज्ञ आरती पटेल,प्रशासनिक अधिकारी आभा गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रपति महामहिम के नाम डिप्टी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सिलवानी। अहीर रेजिमेंट बनवाने के लिए महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम गुरुवार को रायसेन में डिप्टी कलेक्टर मनीष जैन को वीर अहीर निर्माण सेना द्वारा ज्ञापन सौंपा गया । ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि 1962 के युद्ध में रेजांगला चौकी पर अपने प्राणों की आहुति देने वाले अपने 114 शहीदों के सम्मान में इस तारीख को देश.विदेश में रेजंगला दिवस के रुप में मनाया जाने लगा है ।1962 में भारत चीन युद्ध के दौरान 18 नवंबर को रेजांगला चौकी पर एक युद्ध हुआ था जिसकी वीरता का दूसरा उदाहरण दुनिया में नहीं मिलता 120 वीर अहिर सैनिकों की टुकड़ी मेजर शैतान सिंह भाटी की अगुवाई में दक्षिण ले लद्दाख में रेजांगला चौकी पर तैनात थी। इस वीरता के लिए टुकड़ी को एक परमवीर चक्र 8 वीर चक्र 4 सेना मेडल और एक अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया। वही अहीर धाम नाम से उनका एक स्मारक बनवाया इसी विषय अंतर्गत यादव वीर

अहीर समाज ने देश के लिए जब भी जरूरी पड़ी है शहादत दी है आगे और भी देश के लिए शहादत देते रहेंगे । इसलिए आज वीर अहीर सेना रायसेन ने जिला अध्यक्ष राम यादव के नेतृत्व में रेजिमेंट बनाने की मांग महामहिम राष्ट्रपति के नाम डिप्टी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर की।

गावों का दौरा कर भवनो की दुर्दशा देख नाराज हुई एसडीएम,संस्था प्रमुखो को थमाया नोटिस

सिलवानी। गुरूवार को एसडीएम ने गावों का दौरा कर शासकीय भवनो की क्षतिग्रस्त स्थिती को देख कर एसडीएम नाराज हुई तथा भ्रमण से लौटते ही शिक्षा तथा महिला बाल विकास के जिम्मेदार अधिकारी को नोटिस थमा कर कार्रवाही किए जाने व की गई कार्रवाही से अवगत कराने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार शासकीय योजनाओं की मैदानी हकीकत जानने के लिए एसडीएम संघमित्रा बौद्ध तहसील के गांव कुअंर पिपरिया पहुंची। यहां पर महिला बाल विकास विभाग के द्वारा आगंनवाड़ी केंद्र व शिक्षा विभाग के द्वारा प्राथमिक शाला का संचालन किया जा रहा है। दोनो की भवन क्षतिग्रस्त हो गए है। भवनो की जर्जर हालत को देख कर एसडीएम के द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई। शासकीय प्राथमिक शाला भवन के निरीक्षण में पाया गया कि भवन जर्जर स्थित में है। परिसर में शौंचालय, पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं मुहैया नही है। इसके अतिरिक्त की साफ सफाई भी नही पाई गई। जबकि इस भवन में मतदान केंद्र भी बनाया जाता है। भवन की दीवार पर अधिकारियो के नाम व मोबाईल नंबर भी अंकित नही पाए गए । शासकीय प्राथमिक शाला भवन तथा आगंनवाड़ी भवनो की दूर्दषा तथा मूलभूत सुविधाओ की उपलब्धता ना होने पर संस्था प्रमुखो को इसके लिए जिम्मेदर माना।

संपादकीय

मंदिर मंदिर जाने से लाभ नहीं हुआ इसीलिए हिंदुत्व विरोधी बयान दे रहे कांग्रेस नेता

हिंदुत्व शब्द संस्कृत के त्व प्रत्यय से बना है। यह शब्द हिन्दू होने के गुण को चरितार्थ करता है। हिंदुत्व एक विचारधारा है। जीवन जीने की कला ही हिंदुत्व है। सभी धर्म जीवन जीने की पद्धति/नियम बताते हैं। धर्म जीना सिखाता है तो अधर्म मरना। इसलिए कहा जाता है धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो। धर्म की बातें तर्क और बहस से परे होती हैं। धर्म एक रहस्य है। धर्म संवेदना है। धर्म स्वयं की खोज का नाम है। धर्म से आध्यात्मिकता का मार्ग प्रशस्त होता है। सभी धर्मों में, आध्यात्मिक पुरुषों ने अपने अपने तरीके से आत्मज्ञान की प्राप्ति की। ऐसे ही आत्मज्ञानी महापुरुषों ने समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना की। अभी हाल ही में कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। सलमान खुर्शीद ने हिंदुत्व की तुलना कट्टर इस्लामी आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट और बोको हरम से कर डाली। सलमान खुर्शीद ने %सनराइज ओवर अयोध्या% नाम की किताब लिखी है। इस किताब पर ही सियासी बवाल मचा हुआ है। सलमान खुर्शीद ने अपनी किताब में हिंदुत्व पर निशाना साधा है। सलमान खुर्शीद की किताब के पेज नंबर 113 का चैप्टर है %सैफरन स्काई% यानी भगवा आसमान। इसमें सलमान खुर्शीद लिखते हैं- हिंदुत्व साधु-सन्तों के सनातन और प्राचीन हिंदू धर्म को किनारे लगा रहा है, जो कि हर तरीके से आईएसआईएस और बोको हरम जैसे जिहादी इस्लामी संगठनों जैसा है। मामला थमा नहीं था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी मैदान में कूद गए। इन्होंने सलमान खुर्शीद का पक्ष लेते हुए हिंदू को हिंदुत्व से अलग बता दिया। राहुल गांधी कहते हैं कि उन्होंने उपनिषद पढ़े हैं, पर उपनिषद में लिखा क्या है वो स्पष्ट नहीं कर पाते। छान्दोग्य उपनिषद और सभी हिन्दू धर्म से सम्बंधित धार्मिक ग्रन्थ को समझने के लिए किसी प्रकांड विद्वान से राहुल गाँधी जी को चीजें समझने की जरूरत है। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने तो हद ही कर दी। इन्होंने जय श्री राम बोलने वालों को निशाचर तक कह डाला। राम शब्द संस्कृत के दो धातुओं रम और घम से बना है। रम का अर्थ है रमना या निहित होना। घम का अर्थ है ब्रह्माण्ड का खाली होना। राम का अर्थ हुआ-चराचर में विराजमान स्वयं ब्रह्म। शास्त्रों में लिखा है- ÷रमन्ते योगिनः अस्मिन सा राममम उच्चयते÷ अर्थात् योगी ध्यान में जिस शून्य में रमते हैं, उसे राम कहते हैं। राशिद अल्वी को राम नाम की महिमा का इतिहास पढ़ना चाहिए। राशिद अल्वी का जय श्री राम पर की गई टिप्पणी उनकी मूर्खता को चरितार्थ करती है। हिन्दू धर्म में सारे धर्मों का सम्मान है। हिंदू शास्त्र में कहा भी गया है यथा पिंडे तथा ब्रह्माण्डे अर्थात् कण कण में भगवान् व्याप्त है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण की विकराल स्थिति के लिए पराली जलाना ही बड़ा कारण है

दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण की भयावह स्थिति पर नजर डालें तो 13 नवम्बर की सुबह दिल्ली में वायु गुणवत्ता का स्तर 499 था, जो शाम होते-होते 690 एक्यूआई तक पहुंच गया। हालांकि प्रदूषण के मानकों के अनुसार वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 0-50 अच्छा, 51-100 संतोषजनक, 101-200 मध्यम, 201-300 खराब, 301-400 बेहद खराब और 401-500 गंभीर श्रेणी में माना गया है।

दिल्ली में वायु प्रदूषण की विकराल स्थिति के लिए पराली जलना एक बड़ा कारण है लेकिन इसके अलावा ऑटोमोबाइल उत्सर्जन, खाना पकाने का धुआं, लकड़ी से जलने वाले चूल्हे, उद्योगों का धुआं इत्यादि भी वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण की बेहद गंभीर स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए दो टूक शब्दों में कहा है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार तुरंत आपात कदम उठाए और जरूरी हो तो दो दिनों के लिए लॉकडाउन पर भी विचार किया जाए या अन्य उपाय किए जाएं। दरअसल दिन के समय कमजोर हवाएं और रात के समय एयरलॉक की स्थिति के कारण दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति विकराल बनी है। चीफ जस्टिस एनवी रमना ने यह भी कहा है कि प्रदूषण की स्थिति इतनी खराब है कि हम घरों में भी मास्क पहनने को विवश हो गए हैं।

दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्रदूषण की भयावह स्थिति पर नजर डालें तो 13 नवम्बर की सुबह दिल्ली में वायु गुणवत्ता का स्तर 499 था, जो शाम होते-होते 690 एक्यूआई तक पहुंच गया। हालांकि प्रदूषण के मानकों के अनुसार वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 0-50 अच्छा, 51-100 संतोषजनक, 101-200 मध्यम, 201-300 खराब, 301-400 बेहद खराब और 401-500 गंभीर श्रेणी में माना गया है। दिल्ली में वायु प्रदूषण की विकराल स्थिति के लिए पराली जलना एक बड़ा कारण है लेकिन इसके अलावा ऑटोमोबाइल उत्सर्जन, खाना पकाने का धुआं, लकड़ी से जलने वाले चूल्हे, उद्योगों का धुआं इत्यादि भी वायु प्रदूषण के प्रमुख स्रोत हैं। निर्माण कार्यों और ध्वस्तीकरण से निकलने वाले रेत-धूल, सीमेंट के कण तथा सड़कों पर उड़ने वाली धूल भी वायु प्रदूषण का बड़ा कारण हैं।

वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन दिल्ली में तो करीब 40 फीसदी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल ने अदालत में कहा है कि पराली के कारण 33 फीसदी प्रदूषण है। पराली जलने के आंकड़ों पर नजर डालें तो दीवाली के अगले दिन तो पराली जलने के हरियाणा में 500 और पंजाब में करीब 6000 मामले सामने आए थे। आईआईटीएम पुणे के मुताबिक 12 नवम्बर को भी पंजाब में पराली जलने के 3403, हरियाणा में 127 और उत्तर प्रदेश में 120 मामले सामने आए। चूंकि पराली के अलावा अन्य कई कारक भी हालात को बदतर बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं, इसीलिए अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पराली जलाने के अलावा वाहन प्रदूषण, पटाखे चलाने और औद्योगिक इकाईयों के कारण भी दिल्ली में प्रदूषण है। दरअसल सभी सरकारों द्वारा प्रदूषण की बदतर स्थिति से निपटने के नाम पर खेतों में जलती पराली पर ही सारा ठीकरा फोड़ दिया जाता है। वायु प्रदूषण अब लोगों में सैंकड़ों बीमारियों की जड़ बन रहा है, इसीलिए सुप्रीम कोर्ट को इन परिस्थितियों पर गंभीर चिंता जताते हुए तत्काल आपात कदम उठाने को कहा गया है। पर्यावरण संरक्षण पर अपनी चर्चित पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें में मैंने विस्तार से उल्लेख किया है कि किस प्रकार वायु प्रदूषण का प्रभाव मानव शरीर पर निरन्तर घातक होता जा रहा है। इसके दूरगामी असर प्राणघातक भी हो सकते हैं। हालांकि वायु प्रदूषण को लेकर आम धारणा है कि इससे श्वांस संबंधी परेशानियां ज्यादा होती हैं लेकिन कई शोधों में स्पष्ट हो चुका है कि प्रदूषण के सूक्ष्म कण मस्तिष्क की सोचने-समझने की क्षमता को भी प्रभावित करते हैं। यही नहीं, इससे पुरुषों के वीर्य में शुक्राणुओं की संख्या में चालीस फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई है, जिससे नपुंसकता का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। इससे लंग्स फाइब्रोसिस और फेफड़ों का कैंसर हो सकता है। प्रदूषण के कण जब मानव शरीर में रक्त में पहुंचते हैं तो ये शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित करते हैं, जिसका असर कई बार वर्षों बाद भी दिखाई देता है। इसके अलावा इससे ब्लड कैंसर का खतरा भी बढ़ता है। यही कारण है कि अधिकांश स्वास्थ्य विशेषज्ञों का अब यही मानना है कि यदि देश की राजधानी दिल्ली की हवा ऐसी ही बनी रही तो आने वाले समय में स्वस्थ इंसान भी फेफड़ों और रक्त कैंसर जैसी बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के ही कारण अब देशभर में नॉन स्मोकर्स में भी फेफड़ों का कैंसर होने के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार मानव निर्मित वायु प्रदूषण से प्रतिवर्ष करीब पांच लाख लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक वायु प्रदूषण लोगों की आयु घटने का भी बड़ा कारण बनकर उभर रहा है। एक्यूएलआई की हालिया रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि वायु प्रदूषण न सिर्फ तरह-तरह की बीमारियां पैदा कर रहा है बल्कि लोगों की आयु भी घटा रहा है। एक्यूएलआई रिपोर्ट के अनुसार यदि वर्ष 2019 जैसा वायु प्रदूषण संघनन जारी रहा तो दिल्ली, मुम्बई और कोलकाता जैसे सर्वाधिक प्रदूषित महानगरों में रहने वाले लोग अपनी जिंदगी के नौ से ज्यादा वर्ष खो देंगे। दक्षिण एशिया में उत्तर भारत सर्वाधिक प्रदूषित हिस्से के रूप में उभर रहा है, जहां पार्टिकुलेट प्रदूषण पिछले 20 वर्षों में 42 फीसदी बढ़ा है और जीवन प्रत्याशा घटकर 8 वर्ष हो गई है। देशभर में पिछले दो दशकों में वायु में प्रदूषक कणों की मात्रा में करीब 69 फीसदी की वृद्धि हुई है और जीवन प्रत्याशा सूचकांक, जो 1998 में 2.2 वर्ष कम था, उसके मुकाबले अब एक्यूएलआई की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 5.6 वर्ष तक कमी आई है। भारत के अधिकांश शहरों की हवा में जहर घुल चुका है। शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां लोग धूल, धुएं, कचरे और शोर के चलते बीमार न हो रहे हों।

■ वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के ही कारण अब देशभर में नॉन स्मोकर्स में भी फेफड़ों का कैंसर होने के मामले तेजी से बढ़ रहे

अफगानिस्तान की समस्याओं का हल निकालने की दिशा में भारत ने किया सार्थक प्रयास

दिल्ली सुरक्षा संवाद में रूस, ईरान और अफगानिस्तान के पांच पड़ोसी देशों- उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और कजाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के साथ मिलकर भारत ने जिस तरह से कदम बढ़ाए हैं, उसे बड़ी कूटनीतिक कामयाबी कहा जाना चाहिए। अफगानिस्तान को आतंकवाद के लिये इस्तेमाल किये जाने की घटनाओं को लेकर भारत की चिन्ताएं और उन चिन्ताओं को दूर करने के लिये दिल्ली में आठ देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक एक दूरगामी सोच से जुड़ा सार्थक उपक्रम है। इस बैठक का आयोजन जरूरी था और इसका सफल आयोजन कर भारत ने यह संदेश दे दिया है कि वह न केवल दुनिया को आतंकमुक्त परिवेश देने बल्कि इस संकटग्रस्त मुल्क को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। गत कुछ समय से चली आ रही गतिविधियों एवं उनमें भारत के रूख को देखकर माना जा रहा था कि अफगानिस्तान

के मसले पर भारत निर्णायक पहल करने से बच रहा है और 'देखो व इंतजार करो' की नीति पर चल रहा है। लेकिन अब भारत ने एक ठोस कदम उठाकर जाहिर किया है कि भारत अफगानिस्तान को लेकर जागरूक था, है और रहेगा। जगजाहिर है कि अफगानिस्तान तालीबानी बर्बरता एवं पाकिस्तानी कुचेष्टाओं के चलते इस वक्त भयानक संकटों का सामना कर रहा है। देश में भुखमरी के हालात हैं, विकास की जगह आतंकवाद मुख्य मुद्दा बना हुआ है। लाखों लोग पहले ही पलायन कर चुके हैं। सत्ता को लेकर तालिबान के उग्र तेवर एवं भीतर ही भीतर वहां के राजनीतिक गुटों में तना-तनी का माहौल है। देश के अंदरूनी मामलों में पाकिस्तान का दखल मुश्किलों को और बढ़ा रहा है, अधिक चिन्ता की बात तो यह है कि अफगानिस्तान की जमीन का उपयोग आतंकवाद के लिये हो रहा है। एक विकास की ओर अग्रसर शांत देश के लिये ये स्थितियां एवं रोजाना हो रहे आतंकी हमलों में निर्दोष नागरिकों का मारा जाना, चिन्ताजनक है। भारत यदि इन चिन्ताओं को दूर करने के लिये आगे आया है तो यह एक सराहनीय कदम है। तालिबान की आतंकवादी मानसिकता एवं उसकी सत्तालोलुपता को दुनिया का कोई देश मान्यता नहीं दे रहा। इस दिल्ली क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद में सामूहिक चिंता यह उभर कर आई कि अफगानिस्तान की जमीन से चलने वाली आतंकी गतिविधियों, कट्टरतावाद और नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटा कैसे जाए?

अपना स्तंभ गिराकर खोखले नेताओं के सहारे कैसे पंजाब की चुनावी नैया पार लगायेगी कांग्रेस

प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू खुद मुख्यमंत्री बनना चाहते थे, पार्टी ने ऐसा नहीं होने दिया। पार्टी उन्हें कैप्टन को हटाने तक इस्तमाल करना चाहती थी, उतना ही उसने किया। ऐसे हालात बने कि कैप्टन मंत्रिमंडल के सदस्य चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया गया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल में कहा है कि कांग्रेस के रवैये से भाजपा मजबूत हो रही है। उसके कार्यों से भाजपा को ताकत मिल रही है। देखने से लग भी ऐसा ही रहा है। कांग्रेस के उच्च नेतृत्व की गलती से पंजाब में कांग्रेस दो फाड़ हो गई।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के रवैये से पंजाब में कांग्रेस विभाजित हो गई। पार्टी के मजबूत स्तंभ कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अपनी पार्टी अलग बना ली। कांग्रेस को लगता था कि कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद वहां की राजनीति में गुटबंदी खत्म हो जाएगी, उसमें आया भूचाल रूक जाएगा पर ऐसा हुआ नहीं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष

नवजोत सिंह सिद्धू का विलाप पहले भी जारी था, अब भी जारी है। पार्टी के वर्तमान मुख्यमंत्री को कमजोर करने के उनके षड्यंत्र कम नहीं हुए। पुराने क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू पंजाब की कैप्टन अमरिंदर सरकार में मंत्री रहे। बड़बोलेपन के कारण उन्होंने मंत्री पद छोड़ा। कैप्टेन अमरिंदर सिंह का विरोध जारी रखा। कांग्रेस हाईकमान कैप्टन अमरिंदर सिंह के बढ़ते कद से नाराज था। उसने नवजोत सिंह सिद्धू को बढ़ाया। मुखयमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को कमजोर करने के लिए सिद्धू को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद सिद्धू को और पर लग गए।

जानना जरूरी

सर्दी के मौसम में ऐसे बचाएं खुद को फ्लू और खांसी-जुकाम से, ये रहे कुछ घरेलू उपाय

जब-जब मौसम बदलता है, तब-तब हमें बीमारियों का डर सताता है। वहीं, सर्दी का मौसम आते ही बीमार पड़ने का खतरा कई गुना तक बढ़ जाता है। इस मौसम में फ्लू, सर्दी, जुकाम, खांसी और तेज बुखार जैसी

दिक्कतें हो जाती हैं। ये सब हमें ठंड लगने और सर्दियों में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमजोरी आने के कारण होता है। इसलिए आपने शायद लोगों को ये कहते हुए सुना होगा कि सर्दी का मौसम आते ही गर्म कपड़े पहन लो और अच्छा खानपान खाओ आदि। वहीं, सर्दी के मौसम में हम बीमार न हों, इसके लिए हमें अपनी प्रतिरोधक क्षमता के अलावा कुछ और भी ध्यान देना पड़ता है। इसलिए जरूरी है कि हम कुछ घरेलू उपायों का भी सहारा लें, ताकि सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी चीजों में आराम पा सकें। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ घरेलू उपायों के बारे में...

दूध हल्दी का करें इस्तेमाल

सर्दी के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए आप दूध में हल्दी मिलाकर पी सकते हैं। रोज रात को सोने से पहले आप इस दूध का सेवन कर सकते हैं। ये आपको फ्लू और सर्दी-खांसी में आराम देने का काम करेगा।

भाप ले सकते हैं

सर्दियों के मौसम में भाप लेना भी काफी फायदेमंद होता है। बंद नाक से लेकर गले के दर्द और सर्दी-जुकाम को ये दूर करने में काफी कारगर होता है। इसलिए आप पुदीने या अजवाइन की पत्तियां गर्म पानी में डालकर भाप ले सकते हैं।

तुलसी वाली चाय

सर्दियों में हम चाय तो पीते ही हैं, लेकिन अगर आप इस चाय में तुलसी के पत्ते डालकर इसका सेवन करते हैं। तो इससे आपको काफी आराम मिल सकता है। आप तुलसी के पत्ते चाय में डाल सकते हैं या फिर तुलसी के पत्तों को सूखाकर इसका पाउडर भी बनाकर इस्तेमाल कर सकते हैं।

गरारे करें

सर्दियों में सर्दी-जुकाम और गले को साफ करने के लिए आप गरारे भी कर सकते हैं। हल्के गुनगुने पानी में आपको नमक मिलाना है और फिर इस पानी से रात को सोने से पहले गरारे करें। इससे आपको काफी आराम मिल सकता है।

हॉस्पिटैलिटी प्रोग्राम के बाद अपने इंटरनेशनल अवसरों व सपनों को करें साकार

सार

हॉस्पिटैलिटी के टॉप कॉलेज में से एक होने के नाते चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज लांडरा भी इंडस्ट्रीज़ की अलग अलग डोमेन को देखते हुए बहुत से हॉस्पिटैलिटी प्रोग्राम्स छात्रों को आफर करता है। सीजीसी लांडरा का हमेशा से यही मकसद रहा है कि छात्रों को उनकी पसंद के हिसाब से जॉब पाने में मददगार साबित हो।

विस्तार

आज के समय में हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट सबसे अधिक मांग वाले विषयों में से एक बन गया है। यह एक ऐसा डोमेन बन गया है जो एक बेहतर जीवन की ओर ले जाने वाले मार्ग के रुप में काम कर रहा है। आज विभिन्न तरह के हॉस्पिटैलिटी प्रोग्राम्स को छात्रों के लिए पेश कर रहे है। इन कोर्स की अवधि और पाठयक्रम डिग्री या डिप्लोमा के हिसाब से अलग अलग होती है। लेकिन इन सभी में एक ऐसी चीज़ है जो नहीं बदलती और वो है कि बड़ी संख्या में करियर के अवसर प्रदान होना जिन्हें अनलॉक कर छात्र आगे बढ़ सकते है। हॉस्पिटैलिटी के टॉप कॉलेज में से एक होने के नाते चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज लांडरा भी इंडस्ट्रीज़ की अलग अलग डोमेन को देखते हुए बहुत से हॉस्पिटैलिटी प्रोग्राम्स छात्रों को आफर करता है। सीजीसी लांडरा का हमेशा से यही मकसद रहा है कि छात्रों को उनकी पसंद के हिसाब से जॉब पाने में मददगार साबित हो। कॉलेज ने बहुत से छात्रों को पूरे विश्व भर के बड़े से बड़े हॉटल और रेस्टोरंट में जॉब हासिल करने में सहायक भूमिका निभाई है। संस्थान के छात्र यूनाईटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका, आस्ट्रेलिया जैसे और भी कई देशों में बड़े और सर्वश्रेष्ठ हॉस्पिटैलिटी ग्रुप्स में काम कर रहे है। उन्हें यह अच्छी और बड़े ग्रुप्स में जॉब कैसे मिली?

चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेज लांडरा के द्वारा इन हॉस्पिटैलिटी प्रोग्राम्स को करवाया जाता है:-

अगर हम विकल्पों की बात करें तो ऐसी असंख्य कोर्स और प्रोग्राम्स इस क्षेत्र में करने के लिए उपलब्ध है। हालांकि संस्थान ने अपने पाठ्यक्रम में श्रेष्ठ प्रोग्राम्स को ही संयुक्त किया है। नीचे आपके लिए शॉर्टलिस्ट किए गए हॉस्पिटैलिटी प्रोग्राम्स बताए गए है।

1. बीएससी (ऑनर्स) न्यूट्रिशन एंड डाईटीक्स
2. बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी (बीएचएमसीटी)
3. बैचलर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट (बीटीटीएम)
4. बीएससी हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन
5. डिप्लोमा इन फूड प्रोडक्शन
6. डिप्लोमा इन बेकरी एंड कन्फेक्शनरी

यह कुछ वह प्रोग्राम्स है जिनकी इस समय अधिक मांग है। अगर आप यह जानना चाहते है कि सीजीसी लांडरा किस प्रकार से इंटरनेशनल अवसर प्रदान करवाने में सहायता करता है, इसका जवाब भी आपको आगे प्राप्त होगा। सीजीसी लांडरा किस प्रकार से इंटरनेशनल अवसर प्रदान करवाने में सहायता करता है?

आज का योग : इन चार योगासन से बढ़ेगी खूबसूरती, चेहरा हमेशा करेगा ग्लो

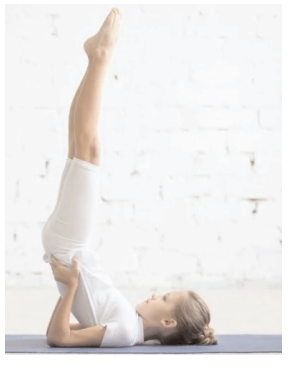

योग आपके शरीर और त्वचा के लिए हर तरह से लाभप्रद होता है। योग के नियमित अभ्यास से शरीर के अंदर का भाग सुचारू रूप से काम करता ही है, साथ ही बाहरी हिस्सा, जैसे त्वचा, नेत्र आदि भी स्वस्थ रहते हैं। अक्सर लोग खूबसूरत दिखने के लिए तरह तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। चेहरे की हेल्दी और ग्लोइंग स्किन के लिए क्रीम आदि के अलावा पार्लर व ब्यूटी ट्रीटमेंट का सहारा लेते है। हालांकि केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स कुछ समय के लिए आपकी स्किन को चमकदार बना सकते है लेकिन लंबे इस्तेमाल से नुकसान भी कर सकते है। ऐसे में योग आपकी त्वचा को हेल्दी बनाए रखने में मदद करता है। चेहरे पर नेचुरल ग्लो लाने के लिए आप चार तरह के योगासन कर सकते हैं। इन योगासन से चेहरे की डेड स्किन सेल्स हटने लगती है और चेहरा हेल्दी व निखरा हुआ दिखने लगता है। तो चमकदार और चिकनी त्वचा के लिए आप ये चार योगासन रोजाना करें।

सर्वांगासन

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले मैट पर पीठ के बल लेट जाएं। चेहरे को आकाश की ओर करे और दोनों हाथों को सीधे पैरों की दिशा में जमीन पर रखें। अब आंखें बंद करके गहरी सांस अंदर की ओर लेते हुए दोनों पैरों को सामान्य गति से ऊपर आकाश की ओर उठाएं।

ठंड में हार्ट अटैक से बचने के ये हैं कुछ उपाय

हमारे आसपास कई ऐसी बीमारियां हैं, जिनके शिकार हम कभी भी हो सकते हैं। ऐसे में हमें जरूरत है कि हम इन बीमारियों से खुद का बचाव करें। हमारा हेल्दी खानपान, हमारी अच्छी दिनचर्या, हमारा रोजाना व्यायाम करना, रात को समय पर उठना, सुबह समय पर उठना, समय पर खाना खाना आदि। ये वो चीजें हैं जो हमें स्वस्थ रखने में मदद करती हैं। लेकिन कई

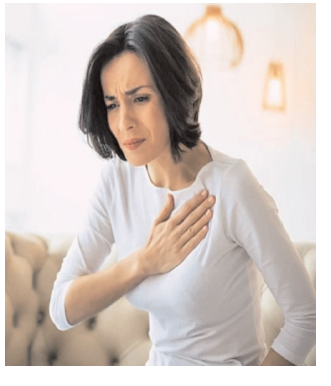

बार लोग हार्ट की समस्या से जूझ रहे होते हैं। अमूमन देखने को मिलता है कि कोई हार्ट अटैक झेल चुका होता है, तो किसी के हार्ट में अन्य तरह की तकलीफ होती है। ऐसे में इन लोगों को कई तरह की दवाओं और एक लंबे इलाज से गुजरना पड़ता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ठंड के मौसम में आपको हार्ट अटैक या हृदय से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं? ऐसे में ये जानना जरूरी है कि सर्दियों में ठंड से बचने के क्या उपाय हैं, तो चलिए हम आपको इसके बारे में बताते हैं...

बहुत ज्यादा गर्म कपड़े पहनने से बचें

कई बार बहुत ज्यादा गर्म कपड़े पहनने के कारण ज्यादा गर्मी हो सकती है और इसकी वजह से रक्त वाहिकाओं को अचानक पतला कर देता है। ऐसे में हृदय रोग वाले व्यक्तियों में हाइपोटेंशन हो सकता है। वहीं, फिर आपको ठंड में पसीना आ सकता है और आपको

गर्मी लग सकती है। ऐसे में ये पसीना खतरा पैदा करने के लिए काफी है। इसलिए ऐसा करने से बचें।

घर के अंदर होने वाली हीट से बचें

ठंड के मौसम में हम अपने घर को गर्म रखने की कोशिश करते हैं और कई बार ये इनडोर हीटिंग द्वारा कम नमी के कारण सर्दी फ्लू होने की संभावना को बढ़ा देती है। ऐसे में हृदय रोग वाले किसी भी व्यक्ति में फ्लू संभावित खतरनाक होता है। इसलिए अगर आपको दिक्कत महसूस हो रही है, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

शराब पीने से बचें

सर्दियों में आप कहीं बाहर जा रहे हैं या घर पर ही हैं, तो आपको बहुत अधिक मात्रा में शराब का सेवन नहीं करना चाहिए।

श्रद्धा आर्या को गोद में उठाकर मंडप में पहुंचे राहुल, दूल्हा-दुल्हन पर टिकीं सबकी निगाहें

टेलीविजन के मशहूर धारावाहिक कुंडली भाग्य में मुख्य किरदार निभाने वालीं अभिनेत्री श्रद्धा आर्या शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। अभिनेत्री ने मंगलवार, 167 नवंबर को अपने मंगेतर राहुल शर्मा के साथ सात फेरे लिए। एक्ट्रेस की शादी के बाद अब उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आ चुकी है। इंटरनेट पर सामने आई यह तस्वीरें लोगों को काफी पसंद आ रही है। फैंस इन तस्वीरों को पर जमकर लाइक और कमेंट्स कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर सामने आई शादी की पहली तस्वीरें देख फैंस भी काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं, श्रद्धा आर्या भी अपने इस खास दिन पर बेहद खुश नजर आईं। उनकी हर तस्वीर में चेहरे की चमक देखने लायक रही। इस दौरान श्रद्धा आर्या और राहुल के बीच शानदार बॉन्डिंग भी देखने को मिली। वहीं, कुछ तस्वीरों में दोनों एक दूसरे को निहारते तो कभी एक दूसरे में खोए दिखाई दे रहे थे।

श्रद्धा आर्या, राहुल शर्मा

सामने आए शादी के एक वीडियो में शादी के दौरान जब श्रद्धा, वरमाला के लिए जाती हैं तो वह सबके सामने अपने पति राहुल को कहती हैं कि आओ मुझे उठाओ। इसके बाद राहुल उन्हें अपनी बांहो में उठाकर स्टेज तक ले जाते हैं। इस वहां मौजूद सबी मेहमान दोनों को चिढ़ाते नजर आए।

श्रद्धा आर्या

इन तस्वीरों में श्रद्धा सुर्ख महरून जोड़े में बेहद खूबसूरत नजर आईं। साथ ही उनकी ज्वैलरी ने इस वेडिंग लुक में चार चांद लगा दिए। एक्ट्रेस की शादी की सारी रस्में दिल्ली में आयोजित की गईं। वहीं, अपनी शादी में श्रद्धा ने मेहमानों के साथ जमकर पोज भी दिए।

श्रद्धा आर्या

एक्ट्रेस श्रद्धा शर्मा की यह तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। वह इन फोटोज पर जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। साथ ही कपल को इस नौके पर ढेर सारी बधाईयां और शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर उनकी मेंहदी और सगाई की तस्वीरें भी काफी वायरल हुई थीं।

श्रद्धा आर्या -

इन तस्वीरों में उन्होंने एक हाथ से अपने चेहरे को छुपाया हुआ था तो वहीं दूसरे हाथ में वह अपनी सगाई की अंगूठी फ्लॉन्ट कर रही थीं। एक अन्य तस्वीर में वह अपने हाथों की मेंहदी दिखाती भी नजर आईं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए श्रद्धा ने कैप्शन में लिखा सबसे आसान हां जो मैंने कभी कहा है! उनका यह लुक उनके फैंस को खूब पंसद आया।

'साड़ी ही सबसे आकर्षक, मनमोहक और कामुक परिधान', 'गोविंदा नाम मेरा' में अपने लुक पर बोलीं भूमि

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की हाल ही में घोषित हुई फिल्म'गोविंदा नाम मेरा' में जबसे उनका फर्स्ट लुक रिलीज हुआ है, लोग उन्हें फोन करके और संदेश भेजकर उनके इस लुक की खूब तारीफें कर रहे हैं। कुछ कुछ फिल्म'घरवाली बाहरवाली' जैसी दिख रही फिल्म 'गोविंदा नाम मेरा' में भूमि पेडनेकर बहुत ही मॉडर्न बीवी के रूप में दिखने वाली हैं जो साड़ी में गजब ढा रही है। भूमि फिल्मों में साड़ी पहले भी खूब पहनती रही हैं और वह खुद भी कहती हैं कि ये उनकी पसंदीदा ड्रेस है।

दम लगा के हईशा में भूमि और आयुष्मान

भूमि कहती हैं, अगर लोगों को मैं साड़ी में खूबसूरत लगती हूं, तो मेरे लिए यह बहुत बड़ा कॉम्प्लीमेंट है। मौका मिलते ही मैं साड़ी पहनना पसंद करती हूं और शुक्र है कि मेरी फिल्मों में मुझे कई बार साड़ियां पहनने का मौका भी मिला। मुझे खुशी है कि लोग मेरे साड़ी वाले एक और लुक को पसंद कर रहे हैं। मुझे 'पति पत्नी और वो' वाले लुक में बहुत प्यार मिला था और मुझे यकीन है कि इस वाले लुक पर भी लोग अपना प्यार बरसाएंगे।

दम लगा के हईशा में भूमि और आयुष्मान

'गोविंदा नाम मेरा' में भूमि को विक्की कौशल के साथ पेयर किया गया है।10 जून 2022 को रिलीज होने जा रही इस फिल्म के बारे में भूमि कहती हैं,साड़ियों के लिए मेरा प्यार मेरे सिनेमाई सफर की शुरुआत के साथ ही पैदा हो गया था। इसकी एक बड़ी वजह यह भी रही कि मेरे प्रशंसक साड़ियों में मुझे बहुत चाहते हैं। 'पति पत्नी और वो' के बाद फिल्म 'गोविंदा नाम मेरा' को लेकर मुझे मिल रहे संदेश मेरी इस सोच को पुख्ता करते हैं कि साड़ी ही सबसे आकर्षक, मनमोहक और कामुक परिधान है।

किस्साः ब्वायफ्रेंड-किसिंग सीन और किरदार, जब बिपाशा बसु ने खोला अजनबी से जिस्म तक हर राज

बिपाशा बासु ने अपने करियर की शुरुआत साल 2001 में फिल्म अजनबी से की थी। इस फिल्म में उन्होंने अक्षय कुमार की प्रेमिका सोनिया का किरदार निभाया था। हालांकि इस फिल्म से बिपाशा को वो पहचान नहीं मिली जो वो बॉलीवुड में चाहती थीं। अजनबी के बाद बिपाशा बासु ने साल 2002 में फिल्म 'राज' में काम किया। इस फिल्म में बिपाशा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म मे बिपाशा के साथ डिनो मोरिया ने मुख्य भूमिका निभाई थी, ये फिल्म बिपाशा बासु के करियर में मील का पत्थर साबित हुई थी।

निर्देशक ने कहा नहीं मिलेगा बॉयफ्रेंड

एक मीडिया चैनल से खास बातचीत में बिपाशा बासु ने इस बात का खुलासा किया था कि फिल्म राज के निर्देशक विक्रम भट्ट उनसे खूब नाराज हो गए थे। बिपाशा ने कहा, 'जब मेरी फिल्म 'राज' रिलीज हुई थी तो लोग मेरे से इस कदर डरने लगे थे कि विक्रम भट्ट ने मुझे ये तक कह दिया था कि राज 3 रिलीज होने से पहले बिपाशा जल्दी-जल्दी बॉयफ्रेंड ढूंढ लो। क्योंकि इस फिल्म के बाद तुम्हें कोई बॉयफ्रेंड नहीं मिलेगा।

कहा लोग तुमसे डरेंगे

बिपाशा बासु ने कहा कि निर्देशक विक्रम भट्ट ने उनसे ये भी कहा था कि तुमसे लोग इस फिल्म के बाद डरेंगे और तुम्हें कोई भी बॉयफ्रेंड नहीं मिलेगा। लेकिन मैंने विक्रम से कहा कि मुझे बॉयफ्रेंड जरूर मिलेगा'। इसी के साथ अपने करियर के बारे में बातचीत करते हुए बताया कि 'फिल्म जिस्म में मैंने एक किरदार निभाया था। मैं इस फिल्म में काम करने के लिए खुद ही पूजा भट्ट और महेश भट्ट के पास पहुंच गई थी कि वो मुझे इस फिल्म में ले।

मैं हमेशा कुछ हटकर करना चाहती थी

जब मैं फिल्म जगत में आई थी तो उस समय ऐसा माना जाता था कि अभिनेत्रियां बहुत ज्यादा बोल्ड नहीं हो सकती। लेकिन मैं हमेशा कुछ अलग और हटकर करना चाहती थी, इसलिए मैंने जिस्म जैसी फिल्म में काम करने का फैसला लिया। मैं अपनी छवि को तोड़ना चाहती थी। मैंने जिस्म में बोल्ड सीन दिया क्योंकि जॉन उस वक्त मेरे बॉयफ्रेंड थे।

जय भीमः फिल्म पर हुए विवाद को लेकर अभिनेता सूर्या को मिल रही धमकी, घर के बाहर तैनात हुए पुलिसकर्मी

2 नंवबर को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई फिल्म जय भीम इन दिनों चर्चा में है। फिल्म के दृश्यों पर शुरू हुआ विवाद खत्म ही नही हो रहा है। हाल ही मं वन्नियार संगम के प्रदेश अक्ष्यक्ष ने अभिनेता सूर्या, ज्योतिका, अमेजन प्राइम वीडियो और फिल्म जय भीम के निर्देशक टीजे ग्नानवेल को कानूनी नोटिस भेजा जिसमें उन्होंने मांग की है कि फिल्म के निर्माता समुदाय से माफी मांगें और उन सभी दृश्यों को हटाएं जिन्हें उन्होंने मानहानिकारक बताया है।

सूर्या को मिल रही धमकी इसके साथ ही उन्होंने और एक हफ्ते के भीतर मुआवजे के रूप में पांच करोड़ रुपये देने की मांग की। वहीं अब सूर्या के घर पर पुलिस तैनात हो चुकी है क्योंकि फिल्म के कुछ दृश्यों पर

आपत्ति जताते हुए लोग अभिनेता को धमकी दे रहे हैं। फिलहाल टी नगर स्थित उनके घर के बाहर पांच पुलिसकर्मी हथियारों के साथ उनकी सुरक्षा में तैनात हैं। फिल्म में इरुलर समुदाय जनजाति के बारे में दिखाया गया है कि कैसे हिरासत में उन्हें यातनाएं दी जाती थीं। फिल्म में हिंदी भाषी लोगों को एक ऐसे सीन से परेशानी हुई जिसमें प्रकाश राज को हिंदी में बोलने के लिए एक आदमी को थप्पड़ मारते दिखाया गया है। भेजे गए नोटिस में एक दृश्य का उल्लेख किया गया है जिसमें जहां अग्नि कुंडम एक कैलेंडर पर दिखाई देता है। दरअसल, अग्नि कुंडम वन्नियारों का प्रतीक है। भेजे गए नोटिस में दावा किया गया है कि निर्मताओं ने जानबूझकर कैलेंडर रखा था। साथ ही राजकन्नू को प्रताड़ित करने वाले पुलिसकर्मी के चरित्र को जानबूझकर वन्नियार जाति से संबंधित दिखाया गया है। सूर्या ने एक बयान जारी करते हुए कहा है कि उनकी फिल्म और उनका किसी भी व्यक्ति या समुदाय का अपमान करने का कोई इरादा नहीं था।

मुस्लिम इलाकों में टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाने के लिए सरकार की मदद करेंगे सलमान!

कोरोना को काबू करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के लगातार प्रयास कर रही हैं। लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी ऐसे कई लोग हैं जो वैक्सीन लगवाने से बच रहे हैं। खासतौर से राज्य में मुस्लिम इलाकों में लोग वैक्सीन से बचते नजर आ रहे हैं।

ऐसे में अब बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान सरकार की मदद करने और लोगों को कोरोना की वैक्सीन के प्रति जागरुक करते नजर आ सकते हैं। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे के मुताबिक मुस्लिम इलाकों में कोरोना वैक्सीन की जागरुकता के लिए सलमान खान से

बात चल रही है। ताकि वैक्सीन न लगवाने वाले लोग वैक्सीन लगवाएं। टोपे के अनुसार कोविड -19 वैक्सीन डोज की संख्या की बात की जाए तो महाराष्ट्र अग्रणी राज्य है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में ये संख्या अभी भी कम है। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री कहते हैं मुस्लिम बहुल इलाकों में अभी भी वैक्सीन को लेकर लोग झिझक रहे हैं। हमने मुस्लिम समुदाय को वैक्सीन के प्रति जागरुक करने के लिए सलमान खान और धर्मगुरुओं की मदद लेने का फैसला किया है। दरअसल, आम लोगों पर धार्मिक नेताओं और फिल्म अभिनेताओं का बहुत प्रभाव पड़ता है और वह उनकी बात सुनते हैं। स्वास्थ्य मंत्री टोपे ने कहा कि महाराष्ट्र में अब तक 10.25 करोड़ से अधिक वैक्सीन लग चुकी है और नवंबर के आखिर तक पहली खुराक का 100 प्रतिशत पाने का लक्ष्य है।

अप्रिलिया की दो स्कूटर लॉन्च

दोनों ही स्कूटर में एंटीलॉक ब्रेकिंग सिस्टम मिलेगा, शुरुआती कीमत 1.08 लाख रुपए

नई दिल्ली। पियाजियो इंडिया ने भारत में अपडेटेड अप्रिलिया स्क्र160 स्कूटर लॉन्च की है। इसकी कीमत 1,17,494 रुपए (एक्स-शोरूम) है। यह पुराने मॉडल के मुकाबले करीब 10,533 रुपए महंगा है। कंपनी ने अपडेटेड अप्रिलिया स्क्र125 भी पेश की है। इसकी कीमत 1,07,595 रुपए (एक्स-शोरूम) है। ग्राहक अपडेटेड अप्रिलिया स्क्र 160 को पूरे भारत में कंपनी की डीलरशिप पर और साथ ही कंपनी की ऑफीशियल वेबसाइट के जरिए 5,000 रुपए के टोकन अमाउंट पर प्री-बुक कर सकते हैं। नई स्क्र160 रेंज व्हाइट, ब्लू, ग्रे, रेड और मैट ब्लैक कलर में मिलती है।

स्कूटर का फ्रेम

अपडेटेड अप्रिलिया स्क्र160 डिटेल्ड अपग्रेड के साथ आता है, जिसमें नए हेडलैम्प और एप्रन के साथ फिर से डिजाइन किया गया फ्रंट शामिल है। अब इसमें पुराने मॉडल पर हैलोजन यूनिट की जगह एक नई स्रुष्ठ हेडलाइट मिलती है जो एक अपमार्केट लुक देती है। हैंडलबार काउल को भी नया रूप दिया गया है और इसमें रेसिंग बाइक वाले एयर-स्कूप हैं।

एंटीलॉक ब्रेकिंग सिस्टम मिलेगा

नई अप्रिलिया स्क्र160 के डिजाइन के रूप में स्क्र स्कूटर में बड़े पहियों के साथ आती है। यह क्क्र (एंटीलॉक ब्रेकिंग सिस्टम), 160ष्टष्ट, 3 वी टेक स्नढ्ढ, हाई टेक, हाई-परफॉर्मेंस इंजन जैसी बेहतरीन इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी मिल रही है। इसका नया डिजाइन राइडर्स को ब्रांड के एक्सपीरिएंस को और अधिक मजेदार बनाएगा।

अप्रीलिया स्कूटर्स के फीचर्स

इंजन 160 सीसी का होगा

पावर उसी 160 सीसी, एयर-कूल्ड, तीन-वाल्व इंजन से आती है जो 7600 आरपीएम पर 10.84 BhP पावर और 6000 RPM पर 11.6Nm टॉर्क जेनरेट करता है। स्कूटर 11-लीटर की स्टोरेज कैपेसिटी, एक स्क्ब चार्जर, बूट लाइट, 6-लीटर की फ्यूल टैंक कैपेसिटी से लैस है।

डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल मिलेगा

इसमें एक पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल भी मिलता है जो अप्रिलिया sXR 160 से मिलता है। क्लस्टर RPM, माइलेज, ऐवरेज स्पीड, टॉप स्पीड, फ्यूल सिग्नल, ऑडोमीटर और टाइम आदि दिखाता है।

बाजार में लौटी रोनक: त्योहारों में मांग बढ़ने से अक्टूबर में 21% बढ़ गई एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री

नई दिल्ली। देश के फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) बाजार में अक्टूबर के दौरान सालाना आधार पर 21त्न ग्रोथ देखने को मिली है। इसमें पैकेज्ड फूड, चावल, दाल, आटा जैसी कमोडिटीज और लग्जरी सामान की तगड़ी बिक्री का अहम योगदान रहा। होमकेयर सेगमेंट की बिक्री में सुस्ती देखने को मिली। देश के 75 लाख रिटेल स्टोर्स को सेल्स ऑटोमेशन सुविधा मुहैया कराने वाली फर्म बिजोम की ताजा रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है।

होमकेयर सेगमेंट की बिक्री 8% घटी: रिपोर्ट के मुताबिक, सभी श्रेणियों की बिक्री में 13-35त्न बढ़ोतरी हुई, जबकि होमकेयर सेगमेंट की बिक्री 8त्न घटी। किराना स्टोर्स की बिक्री बढ़ाने में त्योहारी सीजन जल्द शुरू होने की अहम भूमिका रही। पिछले साल त्योहारी सीजन नवंबर में शुरू हुआ था। मोंडेलेज इंटरनेशनल (इंडिया) के प्रेसिडेंट दीपक अय्यर ने कहा, 'त्योहारी सीजन बहुत अच्छा रहा। कंज्यूमर सेंटिमेंट अभी पॉजिटिव है। इसके कई कारण हैं, जिनमें तेज टीकाकरण, पेंटअप डिमांड, कोरोना की पाबंदियों में ढील के बाद लोगों की आवाजाही बढ़ना जैसे कारण शामिल हैं।

लोगों में आशावाद ऐसे समय बढ़ा है जब महंगाई का दबाव कंपनियों को मूल्यवृद्धि के लिए मजबूर कर रहा है। पाम, क्रूड और चाय की कीमतें एक साल पहले की तुलना में 50त्न से ज्यादा बढ़ गई हैं, जबकि पैकेजिंग सामग्री के दाम पिछले साल की तुलना में 30-35% बढ़े हैं।

शेयर बाजार: 8 पॉइंट्स की गिरावट के साथ 60,313 पर सेंसेक्स, बैंकिंग शेयर्स गिरावट में

मुंबई। कल क्क्स्श्व सेंसेक्स 396 पॉइंट्स गिरकर 60,322 पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (हस्श्व) का निफ्टी 110 पॉइंट्स (0.61त्न) गिरकर 17,999 पर बंद हुआ - ष्ठड्डद्बठ्ठद्ब क्द्धड्डह्यद्मड्डह्म् कल क्क्स्श्व सेंसेक्स 396 पॉइंट्स गिरकर 60,322 पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (हस्श्व) का निफ्टी 110 पॉइंट्स (0.61त्न) गिरकर 17,999 पर बंद हुआ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (क्क्स्श्व) का सेंसेक्स हफ्ते के तीसरे दिन आज 143 पॉइंट्स नीचे 60,179 पर खुला था। अभी यह 8 पॉइंट्स गिरावट के साथ 60,313 पर कारोबार कर रहा है। बैंकिंग शेयर्स में आज गिरावट है।

60,426 का हाई बनाया सेंसेक्स

सेंसेक्स ने दिन में 60,426 का हाई बनाया जबकि 60,029 का निचला स्तर बनाया। इसके 30 शेयर्स में से 13 शेयर्स में गिरावट है जबकि 17 शेयर्स बढ़त में हैं। बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर कल 3.24त्न टूटा था। आज भी यह करीबन 1% नीचे 2,492 रुपए पर कारोबार कर रहा है। एक्सिस बैंक, HDFC बैंक में आधा पर्सेंट की गिरावट है। इंडसइंड बैंक का शेयर आज ऊपर है।

सरकारी कंपनियों के शेयर्स में तेजी

सरकारी कंपनियों NTPC, पावर ग्रिड में 2-2त्न की तेजी है। BSE के मिड और स्माल कैप इंडेक्स में तेजी है। नायका का शेयर 2त्न से ज्यादा टूटा है जबकि लिस्टिंग पर 2.52 गुना का रिटर्न देने वाला सिगाची का शेयर आज 5त्न लोअर सर्किट के साथ कारोबार कर रहा है। हालांकि यह सुबह तेजी के साथ 648 रुपए पर खुला था पर बाद में 602 रुपए पर चला गया। पॉलिसी बाजार का शेयर 2त्न ऊपर है।

निफ्टी 18 हजार के नीचे खुला

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) आज 17,939 पर खुला था। इसने 18,022 का हाई बनाया और 17,906 का निचला स्तर बनाया। हालांकि यह अभी 11 पॉइंट्स की गिरावट के साथ 17,988 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी के 50 शेयर्स में 22 शेयर्स तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं जबकि 28 शेयर्स में गिरावट है। निफ्टी में टाटा मोटर्स, SBI लाइफ और NTPC में 2-2त्न की तेजी है। क्क, ग्रासिम, रिलायंस और अडाणी पोर्ट में गिरावट है।

कल गिरावट के साथ बंद हुआ था सेंसेक्स

इससे पहले कल BSE सेंसेक्स 396 पॉइंट्स गिरकर 60,322 पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 110 पॉइंट्स (0.61त्न) गिरकर 17,999 पर बंद हुआ। बाजार का मार्केट कैप 269.61 लाख करोड़ रुपए रहा।

देश में इलेक्ट्रिक कारों की बढ़ रही डिमांड, सालाना आधार पर 234% की ग्रोथ

भारत में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में अप्रैल से सितंबर 2021 के दौरान सालाना आधार पर 234त्न की ग्रोथ देखी गई। इसमें टाटा नेक्सन ईवी इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही। पेट्रोल- डीजल की बढ़ती कीमतों की वजह से लोग इलेक्ट्रिक व्हीकल को अपना रहे हैं। वहीं, राज्य और केन्द्र सरकार की फेम-द्बद्ब की सब्सिडी के बाद इलेक्ट्रिक कार सस्ती हुई हैं। इससे भी इनकी बिक्री में ग्रोथ देखने को मिली है।

भारत में कुल PV बिक्री 1% से भी कम: इलेक्ट्रिक पैसेंजर व्हीकल (PV) सेगमेंट अभी शुरुआती दौर में है। यह भारत में कुल PV बिक्री का 1त्न से भी कम है, लेकिन इसमें डिमांड तेजी से बढ़ रही है। इस सेगमेंट में एंट्री करने वाली कुछ कंपनियां स्नङ्घ2022 की पहली छमाही में 6,261 यूनिट्स की बिक्री के आंकड़े को पार कर चुकी हैं, जबकि स्नङ्घ2021 में श्वङ्क की कुल बिक्री 5,905 यूनिट्स ही थी।

टॉप 5 में टाटा मोटर्स की दो कारें

भारत में इलेक्ट्रिक कार की बिक्री Hv FY 2022 इस कैलेंडर ईयर की पहली छमाही, यानी अप्रैल से सितंबर 2021 में कुल श्वङ्क बिक्री 6,261 यूनिट्स की रही है। यह अप्रैल से सितंबर 2020 के दौरान बेची गई 1,872 यूनिट्स से 234त्न ज्यादा है। इस सेगमेंट में सबसे आगे टाटा मोटर्स (नेक्सन और टिगोर ईवी), स्ग्न मोटर्स (ं स ईवी), हुंडई (कोना) और महिंद्रा (वेरिटो) जैसी कंपनी शामिल हैं।

गोल्ड-सिल्वर: साढ़े 49 हजार रुपए के पार निकला सोना, साल के आखिर तक 52 हजार तक जा सकता है

नई दिल्ली। इस समय सोना-चांदी में फिर एक बार तेजी देखी जा रही है। वायदा बाजार में आज यानी 17 नवंबर को सोना साढ़े 49 हजार का लेवल पार कर गया है। शाम साढ़े 5 बजे स्ष्ट्ङ्ग पर सोना 242 रुपए की बढ़त के साथ 49,540 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। वहीं अगर सर्राफा बाजार की बात करें तो इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (द्बक्चछ्व) की वेबसाइट के अनुसार आज सर्राफा बाजार में सोना 202 रुपए महंगा होकर 49,553 रुपए पर पहुंच गया है।

कैरेट के हिसाब से सोने की कीमत

कैरेट	भाव (रुपए/10 ग्राम)
24	49,553
23	49,355
22	45,391
18	37,165

वायदा बाजार में चांदी चमकी

चांदी की बात करें तो स्ष्ट्ङ्ग पर ये 457 रुपए की बढ़त के साथ 67,020 रुपए पर ट्रेड कर रही है। सर्राफा बाजार की बात करें तो ये 84 रुपए सस्ती होकर 66,883 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है।

साल के आखिर तक 52 हजार तक जा सकता है सोना: IIFL सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि फेस्टिवल सीजन में सोने की डिमांड में तेजी आई है। इसके अलावा शादियों के सीजन में इसकी डिमांड और बढ़ेगी। इनके चलते साल के आखिर तक सोने के दाम 50 हजार रुपए पर पहुंच सकते हैं।

बनी रहेगी सोने की डिमांड

केडिया एडवायजरी के डायरेक्टर अजय केडिया ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत होने से घरेलू बाजार में सोने के दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से करीब-करीब बेअसर रहे। अब शादियों के सीजन को देखते हुए फिजिकल सोने की डिमांड बनी रहेगी। अगले तीन माह में सोने की कीमत 50 हजार तक जा सकती है।

महंगे पेट्रोल-डीजल पर बवाल:

सीतारमण बोलीं- लोग राज्य सरकारों से पूछें कि उन्होंने टैक्स क्यों नहीं घटाया

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल के ऊंचे दामों पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार रात में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि लोगों को अपने राज्य की सरकार से पूछना चाहिए कि उन्होंने पेट्रोल-डीजल की दरों में कटौती क्यों नहीं की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने एक्साइज ड्यूटी में कटौती के बाद राज्य सरकारों से भी वैट में कटौती की मांग की थी। अब यह लोगों को उन पार्टियों से पूछना चाहिए जिन्हें उन्होंने वोट दिया था। पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों से लोगों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने 3 नवंबर को पेट्रोल पर 5 रुपए और डीजल पर 10 रुपए एक्साइज ड्यूटी घटाई थी।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)